सुविचार

वक्त से ज्यादा जिंदगी में अपना और पराया कोई नहीं होता, वक्त अपना होता है तो सब अपने होते हैं, और वक्त पराया हो तो अपने भी पराये हो जाते हैं।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 06 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 140 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

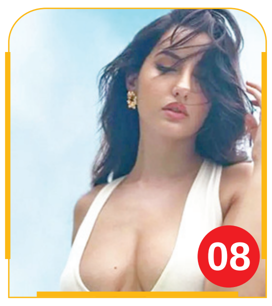

खुद को डांसर तक सीमित नहीं रखना...

SHARE

संसेक्स	:	62,787.47
निफ्टी	:	18,593.85

SARAFA

सोना	:	5,665
चांदी	:	77.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

हाईकोर्ट के नए भवन में 12 जून से संचालित होंगे सभी कोर्ट

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के सभी कोर्ट 12 जून से धुर्वा स्थित नए हाई कोर्ट बिल्डिंग से संचालित होंगे। डोरंडा स्थित पुराने हाई कोर्ट की जगह अब कोर्ट की कार्यवाही धुर्वा स्थित नए भवन से संचालित किए जाएंगे। इस संबंध में झारखंड हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मोहम्मद शाकिर ने आदेश जारी करते हुए राज्य सरकार के सभी विभागों, केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों इत्यादि को पत्र लिखकर सूचित किया है। 600 करोड़ की लागत से बने झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन का उद्घाटन हाल में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। नए हाई कोर्ट बिल्डिंग में तमाम आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। पुराने हाई कोर्ट भवन से कोर्ट के सारे महत्वपूर्ण दस्तावेज इत्यादि नए हाई कोर्ट भवन में शिफ्ट भी किए जा रहे हैं।

सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस की दी शुभकामनाएं

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि सदियों से आदिवासी जीवन मूल्यों का केंद्र रहा है। प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण इन्हीं मूल्यों को आत्मसात कर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुंदर और स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार।

बीएसएफ ने मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, 21 करोड़ की हेरोइन भी बरामद

AMRITSAR : भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ और उसके जरिए मादक पदार्थों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। रविवार की रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक और ड्रोन को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बाद में तलाशी के दौरान जवानों ने ड्रोन का मलबा और उसके साथ हेरोइन का पैकेट बरामद किया है। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 21 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवानों को यह कामयाबी अमृतसर की अंतरराष्ट्रीय सीमा अटारी के पास मिली है। रविवार रात बीएसएफ के जवान गश्त पर थे, उसी दौरान उन्हें ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी और कुछ मिनट बाद ड्रोन को मार गिराया।

भारत-अमेरिका ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए रोडमैप तैयार किया

NEW DELHI : भारत और अमेरिका ने सोमवार को रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया, जो नई प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और नई प्रणालियों के सह-उत्पादन के अवसरों की पहचान करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के बीच मानेकशॉ सेंटर में एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान मजबूत रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने के तरीकों को चिह्नित करने पर विशेष फोकस किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

हजारीबाग : बालू कारोबारी संजय सिंह के ठिकानों पर ED की RAID

कई दस्तावेज बरामद, बिहार के अवैध बालू खनन जुड़ा है मामला

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग के बालू कारोबारी संजय सिंह के ठिकानों पर रांची ईडी की टीम सुबह ने छापेमारी की। अवैध बालू खनन को लेकर सोमवार सुबह ईडी की 5 सदस्यीय टीम मिशन रोड स्थित उनके आवास पर पहुंची और घर को सील कर तलाशी शुरू की। किसी भी व्यक्ति को अंदर प्रवेश करने की इजाजत नहीं थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम को संजय सिंह के घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं, जिसे खंगाला जा रहा है। इधर संजय सिंह के पार्टनर और कारोबारी जगनारायण सिंह के धनबाद स्थित ठिकानों पर ईडी की रेड चल रही है। यह मामला बिहार के औरंगाबाद में बालू से जुड़ा है। बता दें कि संजय सिंह हजारीबाग के जाने-माने कारोबारियों में से एक हैं। साथ ही वे हजारीबाग क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी भी हैं। उन्होंने हाल ही में सदर हॉस्पिटल के सामने एक क्लिनिक भी खोला है। वे आरा के कोलयवर के मुखिया भी रह चुके हैं। बालू के साथ-साथ ठेकेदारी और फिल्म जगत में पैसा लगाना भी इनका व्यवसाय का हिस्सा है। संजय सिंह, बिहार के जाने-माने बालू व्यवसाय जगनारायण सिंह के पार्टनर भी हैं। संजय सिंह के पार्टनर कारोबारी जगनारायण सिंह के ठिकानों पर भी धनबाद में ईडी की रेड चल रही है। मामला बिहार के औरंगाबाद में सैंड माइनिंग से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक पिछले ईडी की छापेमारी जारी थी।

हजारीबाग के संजय सिंह के इसी घर में ईडी ने छापा मारा है व इनसेट में बालू कारोबारी संजय सिंह ● फोटोन न्यूज

बिहार और बंगाल में भी ईडी ने मारा छापा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह बताया जा रहा यही कि यह पूरी छापेमारी बिहार के औरंगाबाद के सैंड माइनिंग से जुड़े मामले में हो रही है। हालांकि, ईडी के अधिकारी अभी कुछ भी कहने से इनकार कर रहे है। बताया यह भी जा रहा है कि रांची ईडी की टीम यह छापेमारी करने के लिए सोमवार की सुबह धनबाद और हजारीबाग में कई बालू कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बताया यह भी जा रहा है कि बिहार के औरंगाबाद और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ईडी ने छापा मारा है।

धनबाद में भी 5 कारोबारियों के घर हुई छापेमारी

PHOTON NEWS DHANBAD : अवैध बालू खनन मामले में ईडी ने में भी छापेमारी की। धनबाद के 5 बड़े कारोबारियों के ठिकाने पर छापेमारी की गई। अवैध बालू खनन का यह मामला बिहार के औरंगाबाद से जुड़ा है। इसी को लेकर ईडी की टीम धनबाद में जगनारायण सिंह, सुरेंद्र जिंदल, अशोक जिंदल में बालू खनन से जुड़े लोगों के ठिकानों पर पहुंचकर छापेमारी कर की। धनबाद में जिन 5 लोगों के यहां रेड चल रहा है, उनमें जगनारायण सिंह उर्फ जगन सिंह , पुंज सिंह, टीपी सिंह, मनोज सिंह और सुरेंद्र जिंदल और उनके भाई अशोक जिंदल के आवास और कार्यालय शामिल हैं। धनबाद, झरिया और सिंदरी में यह कारवाई हुई। मालूम हो कि जगन सिंह कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व नवरंगदेव सिंह के पुत्र है और मूलतः बिहार के निवासी हैं। इस सिंडिकेट का जुड़ाव राजद के करीबी सुभाष यादव की कंपनी से है। और लालू राबड़ी के खाते में 50 लाख रुपए का ट्रांजैक्शन के मामले 2015 में हुए है। वही बालू खनन से जुड़े मामले में गड़बड़ी को लेकर बिहार की आर्थिक अपराध इकाई भी ब्रॉडसन कंपनी की जांच कर रही है। इस मामले में पहले से ही केस दर्ज है और इओयू की जांच को आधार बनाते हुए ईडी ने कार्रवाई शुरू की है। सोमवार अहले सुबह 04 बजे से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम जगन सिंह के सिटी सेंटर, लुबी सर्कुलर रोड, पॉलिटेक्निक रोड स्थित आवास व दफ्तरों पर दबिश दिया। जहां आय से संबंधित कागजात खंगाले गए। पॉलिटेक्निक रोड स्थित कारोबारी जय नारायण सिंह उर्फ जगन सिंह के आवास पर ईडी दस्तावेज खंगाली। वहीं शहर के चंचनी कॉलोनी में अशोक जिंदल के आवास पर ईडी ने छापेमारी की। इनके आवास को भी पूरी तरह से बंद रखा गया था। दूसरी ओर सिंदरी के गौशाला ओपी अंतर्गत नूतनडीह में अशोक जिंदल के आवास तथा उनके भाई सुरेंद्र जिंदल के आवास पर भी ईडी की छापा मारा। इनके आवास पर भी आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी गई थी। दोनों भाइयों का बड़ा कारोबार चलता है। बताया जा रहा है कि बिहार में बालू कारोबार जुड़े एक मामले में ईडी ने छापा मारा है। बिहार में बालू कारोबार से जगन सिंह जुड़े हैं। इसके अलावा इनके कई तरह का कारोबार हैं। धनबाद में पेट्रोल पंप, हार्डकोक, बिल्डर का काम भी ये करते हैं। कंबाइंड बिल्डिंग स्थित सिटी सेंटर भवन में इनका आफिस भी है। धनबाद के अलावे हजारीबाग में भी छापेमारी की जा रही है।धनबाद में ईडी की कार्रवाई से बड़े कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

दिनेश गोप को कोर्ट में किया गया पेश

NIA को एक और दिन की मिली REMAND

पेशी के बाद दिनेश गोप को रिमांड पर ले जाती एनआईए ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को 12 दिनों की पूछताछ के बाद आज सोमवार को एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। एनआईए ने कोर्ट से दिनेश गोप से पूछताछ के लिए एक दिन की रिमांड मांगी। जिसके बाद कोर्ट ने एनआईए को दिनेश गोप से एक और दिन पूछताछ करने की इजाजत दे दी।

भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुए

पिछले दिनों एनआईए ने पीएलएफआई टेरर फंडिंग मामले में झारखंड पुलिस के सहयोग से ऑपरेशन चलाये। इस दौरान एनआईए ने भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद बरामद किये। यह बरामदगी पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप की निशानदेही पर एनआईए की टीम ने कार्रवाई करते हुए खूंटी, सिमडेगा और गुमला जिले से की। एनआईए की जांच के अनुसार, पहले झारखंड लिबरेशन टाइगर्स (जेएलटी) के रूप में जाना जाता था, पीएलएफआई झारखंड में सैकड़ों आपराधिक घटनाओं के लिए जिम्मेदार है,जिसमें कई हत्याएं की घटना शामिल हैं। पीएलएफआई संगठन बेरोजगार युवकों को मोटर बाइक, मोबाइल फोन और आसानी से पैसा मुहैया कराने का लालच देता था।जबरन वसूली पीएलएफआई की आय का प्रमुख स्रोत है।

21 मई को गिरफ्तार हुआ था दिनेश गोप

एनआईए ने दिनेश गोप को बीते 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। दिनेश गोप के खिलाफ 102 आपराधिक मामले दर्ज थे और उस पर 30 लाख रुपये का इनाम भी था। वह वर्तमान में एनआईए की हिरासत में है। जांच के दौरान दिनेश गोप की निशानदेही पर जंगल में छिपाये गये गोला-बारूद को एनआईए ने बरामद किया था। स्थान के पहचान के लिए दिनोश गोप ने एनआईए टीम का नेतृत्व किया। झारखंड के खूंटी जिला के दिनेश गोप को कुलदीप यादव और बडकू के नामों भी से जाना जाता है। इससे पहले एनआईए द्वारा पीएलएफआई के लोगों से 25.38 लाख रुपये के विमुद्रीकृत मुद्रा की वसूली से संबंधित मामले में आरोप पत्र दायर किया गया था।

ओडिशा ट्रेन हादसे की CBI जांच शुरू

अबतक 275 की मौत, अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

AGENCY BHUBANESWAR : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणा के बाद ओडिशा रेल हादसे की जांच सीबीआई ने सोमवार को शुरू कर दी। सीबीआई की एक टीम सोमवार सुबह खड़गपुर पहुंची। वहां मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के कार्यालय से जांच की शुरूआत की गई। जांचकताओं ने इस जांच के लिए प्रत्यक्षदर्शियों को खड़गपुर बुलाया। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक बालेश्वर, बहनागा बाजार और भुवनेश्वर रेलवे स्टेशनों के कुछ अधिकारियों को सोमवार को ही खड़गपुर आने को कहा गया था। उसी के मुताबिक इसके साथ ही हादसे के चश्मदीद और कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ यात्रियों को भी तलब किया गया है। घटना के दिन वास्तव में क्या हुआ, इस बारे में उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद सीबीआई इस बात को देखेगी कि हादसा किस वजह से हुआ। इधर, दुर्घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 153, 154 और 175 के तहत कटक में सरकारी रेलवे पुलिस की ओर से मामला दर्ज किया गया है। बालासोर जीआरपीएस के एसआई पापु कुमार नाइक की शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। दसे में अब तक 275 लोगों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने रेल हादसे की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर सवाल खड़े किए हैं। अध्यक्ष ने पत्र में लिखा है कि सरकार जवाबदेही तय करने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने और लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को स्वीकार करना चाहिए की समस्याएं मौजूद हैं। रेल मंत्री यह दावा करते हैं कि दुर्घटना का असली कारण तलाश लिया गया है। फिर भी उन्होंने सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध किया है।

लोहरदगा में भाकपा माओवादी रवींद्र गंझू के दस्ते ने सड़क निर्माण में लगी JCB को किया आग के हवाले

पोस्टर छोड़ काम बंद करने की दी चेतावनी, करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा जिले में एक बार फिर भाकपा माओवादियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सड़क निर्माण में लगी जेसीबी को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद निर्माण कार्य में लगे लोग दहशत में हैं। जिले के सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के मन्हेंपाट में नक्सलियों ने एक घटना का अंजाम दिया। भाकपा माओवादी के रीजनल कमांडर और 15 लाख के इनामी रवींद्र गंझू ने सड़क निर्माण कार्य में लगे जेसीबी को आग के हवाले कर एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इसके अलावा नक्सलियों ने एक मिक्सर मशीन को भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। साथ ही मौके पर पोस्टर छोड़कर काम बंद करने की चेतावनी दी है। वहीं, काम जारी रखने पर बुरा परिणाम भुगतने की धमकी भी दी है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीण इस बारे में कुछ भी कहने से डर रहे हैं। बताया गया कि भाकपा माओवादियों ने यह घटना गुमला में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए अपने दो साथियों के बदले की भावना से की है।

नक्सलियों ने इसी जेसीबी को आग के हवाले किया ● फोटोन न्यूज

चाईबासा में फिर दो आईईडी बम बरामद

पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के मारादिरी गांव से कुईड़ा के बीच जंगली- पहाड़ी क्षेत्र से पुलिस ने दो आईईडी बम बरामद किया है। बरामद आईईडी में आठ किलो का एक और पांच किलो का एक शामिल है। एसपी आशुतोष शेखर ने सोमवार को बताया कि सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लगाए गए दो आईईडी बरामद किया गया है। दोनों आईईडी को डिफ्यूज कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति के लिए पांच साल पहले शुरू किया काम : PM MODI

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कहा कि इस वर्ष की थीम सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति का अभियान है। जिसकी बात विश्व अब कर रहा है, उस पर भारत ने 5 साल से पहले से ही लगातार काम करना शुरू कर दिया था। देश में साल 2018 में ही एकल उपयोग प्लास्टिक के लिए दो स्तर से काम कर रहा है। एक सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया और दूसरी तरफ प्लास्टिक की रिसाइकलिंग पर तेजी से काम किया गया। देश में 30 लाख टन प्लास्टिक की पैकेजिंग जरूरी कर दी गई है, जो कि देश का कुल उत्पादन का 75 फीसदी है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम को दिए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण की रक्षा के लिए स्पष्ट दिशा में काम शुरू कर दिया है। भारत ने एक तरफ गरीब लोगों की मदद की है, तो दूसरी तरफ भविष्य की ऊर्जा की आवश्यकता को देखते हुए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीन इकोनॉमिक्स अभियान को जारी रखते हुए भारत ने पिछले 9 सालों में रामसर साइट में तीन गुना बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि आज लांच हुए अमृत धरोहर योजना के तहत जनभागीदारी की मदद से रामसर साइट्स का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा। इसके साथ मिस्टी योजना के माध्यम से मैंग्रोव इकोसिस्टम को जीवन मिलेगा। इससे नौ राज्यों में मैंग्रोव को पुनर्स्थापित किया जा सकेगा और इससे जीवन और आजीविका को साधने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया का विकास मॉडल विरोधाभासी है। कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों का खमियाजा विकासशील देश उठा रहे हैं। भारत ने विश्व के सामने जलवायु न्याय का सवाल उठाया है । भारत आज अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर अभूतपूर्व तरीके से फोकस कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में गरीबों के लिए 4 करोड़ मकान बनाए गए और वन्य जीवन अभयारण्य में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर तैयार किए गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मणिपुर में सेना ने लगाया मेगा हेल्थ कैंप

समझौते वाले शिविर में उग्रवादियों ने लगाई आग

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। भारतीय सेना ने सोमवार को हिंसा प्रभावित सीमावर्ती गांव ओक्सुम्बुंग और टोरोंग्लोबी के राहत शिविरों में एक मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया। वहीं, खबर यह भी है कि मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू में नाराज ग्रामीणों ने एक खाली पड़े शिविर में आग लगा दी। ये वही शिविर है, जहां यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) के उग्रवादी सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ठहरे थे। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने इस समय आगजनी को अंजाम दिया, उस वक्त यह शिविर खाली था। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में अज्ञात लोगों ने रविवार को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल में कुछ मकानों में आग लगा दी। मणिपुर में एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की मौत हो गई है और 310 अन्य घायल हुए हैं। कुल 37,450 लोग वर्तमान में 272 राहत शिविरों में रह रहे हैं। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें हुई थीं। मणिपुर की 53 फीसदी आबादी मेइती समुदाय की है और ये मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासियों- नगा और कुकी की आबादी 40 फीसदी है और ये पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

झारखंड और आदिवासियों का वृक्षों से है विशिष्ट संबंध : CP Radhakrishnan

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने राज भवन में किया पौधरोपण

पौधे को लगाते हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना चाहिए। पर्यावरण दिवस पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का अवसर है। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य का वृक्षों से विशिष्ट संबंध रहा है। यहां हर्षोल्लास के साथ सरहुल पर्व मनाया जाता है, जिसमें वृक्ष की पूजा की जाती है। उन्होंने एनएसएस के स्वयंसेवकों से कहा कि आज आप सभी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण करें एवं उसके संवर्द्धन की दिशा में ध्यान दें। उन्होंने एनएसएस के स्वयंसेवकों से कहा कि आप लोग ग्रामों में भी जाकर कार्यक्रम का आयोजन करें तथा ग्रामीणों से संवाद करें।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना है। लोगों को स्वयं के साथ अन्य को भी पर्यावरण के महत्व के संदर्भ में अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं, उसे कहीं भी फेंक देते हैं, नदियां प्रदूषित हो रही हैं। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक को अपने व्यवहार में न अपनाने की अपील की। साथ ही स्वच्छता की दिशा में ध्यान देने के लिए कहा।

राज्यपाल सोमवार को ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्ल के अवसर पर राज भवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० ओ०एन० सिंह सहित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवक दिवाकर आनन्द, फलक फातिमा एवं आस्था दीप ने राज्यपाल के समक्ष विचार प्रकट करते हुए पौधरोपण के संदर्भ में अपने अनुभव प्रकट किए। राज्यपाल ने राज भवन में पौधरोपण के क्षेत्र में अच्छे कार्य करने वाले और विचार प्रकट करने वाले एनएसएस के स्वयंसेवकों को सम्मानित किया।

इससे पूर्व विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने राज भवन में पौधरोपण किया। राज भवन में सोमवार को कुल 50 से अधिक पौधे लगाये गए।

युवा राजद ने मनाया संपूर्ण क्रांति दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : युवा राजद ने राज्यभर में सोमवार को संपूर्ण क्रांति दिवस मनाया। रांची स्थित प्रदेश मुख्यालय में भी युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 22 से अधिक युवाओं ने पार्टी का दामन थामा। पार्टी का दामन थामने में विवेक यादव, प्रेम कुमार, अभिषेक, जितेंद्र यादव, सूरज, अनु कुमार राम, विकास, रोहित, राजा, राजीव, इम्तियाज अहमद, गुड्डू नायक, आनंद कुमार महतो, महबूब सुभानी, अनीश बनर्जी, दीपक कुमार, ललन यादव, रोहित, राजा यादव, सोहन लाल, अंश कुमार और संजय कुमार ने युवा राजद की सदस्यता ग्रहण की।

राजद के नेतागण। ● द फोटोन न्यूज

मौके पर रंजन कुमार यादव ने कहा कि पार्टी मुख्यालय सहित जिला और प्रखंड कार्यालय में भी संपूर्ण क्रांति दिवस मनाया जा रहा है। साथ ही बिहार में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद किया गया। जयप्रकाश नारायण ने गरीबों की लड़ाई लड़ने का काम किया। समाज में समानता और सामाजिक भेदभाव को मिटाने का काम किया।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति विकास भारती के कार्य समाजहित में सार्थक : राज्यपाल

राज्यपाल के साथ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की शपथ लेते लोग। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण से सभी का संरक्षण है। पर्यावरण पर ही हमारा जीवन आधारित है। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ह्यविश्व पर्यावरण दिवसह्ल के अवसर पर राज भवन में 50 से अधिक पौधे लगाये गए।

राज्यपाल ने विकास भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति विकास भारती संस्था का कार्य समाजहित में सार्थक है। विकास भारती ने अपने कार्यों से समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा विगत दिनों वे गुमला स्थित विकास भारती बिशुनपुर भी गये थे, जहां उन्होंने इस संस्था की गतिविधियों को निकटता से देखा। उक्त अवसर पर उनके द्वारा वहां सिनगी दई वन विज्ञान केंद्र नामक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होने वाले एक केंद्र की आधारशिला भी रखी गई। उन्होंने विकास भारती संस्था का जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि अगले वर्ष एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिसमें 10 प्रतिशत नीम के पौधे होंगे एवं शेष 90 प्रतिशत फलदार पौधे होंगे, जिससे सभी को निःशुल्क फल प्राप्त हो सकेगा। पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों के पोषण की दिशा में यह सार्थक कदम होगा। राज्यपाल सोमवार को बरियातू स्थित आरोग्य भवन में विकास भारती बिशुनपुर की ओर से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि सभी को प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। प्लास्टिक के उपयोग से हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। हम जब भी बाजार जाएं तो थैला लेकर जाएं, प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। हमें थैला या बर्तन लेकर चलने में शर्म नहीं करना चाहिए, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति सदैव सचेष्ट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के अच्छे कार्यों की सराहना की जानी चाहिए।

सजा सुनाए जाने पर मुख्तार अंसारी ने कहा, जज साहब मैं बेगुनाह हूं

PHOTON NEWS VARANASI : चर्चित अवधेश राय हत्याकांड में सोमवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम ने सोमवार की दोपहर पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने एक लाख बीस हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट का यह फैसला 32 वर्ष बाद आया है।

अवधेश राय पूर्व विधायक अजय राय के बड़े भाई थे। मुख्तार इस समय बांदा जेल में बंद है। सुनवाई के दौरान मुख्तार को वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए पेश किया गया था। वादी अजय राय पक्ष के वकील अनुज यादव ने बताया कि कोर्ट ने मुख्तार को धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है। कोर्ट के फैसले के बाद मुख्तार के वकील अखिलेश उपाध्याय ने कहा कि इस फैसले में कई कमियां हैं। इसके खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे।

सजा सुनाए जाने से पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश मुख्तार अंसारी से पूछा गया कि अदालत द्वारा आपको दोषी करार दिया है तो आप कुछ कहना चाहेंगे। इस पर मुख्तार अंसारी ने कहा कि वह बेगुनाह है। उसने कोई अपराध नहीं किया है। उसकी उम्र को देखते हुए न्यूनतम सजा निर्धारित की जाए।

वहीं, अभियोजन के वकील अनुज यादव ने कहा फांसी की सजा की उम्मीद थी लेकिन हम फैसले से संतुष्ट हैं। अगर मुख्तार पक्ष हाईकोर्ट जाएगा तो हम वहां भी इसी तरह पूरी ताकत से केस लड़ेंगे। तीन अगस्त 1991 को वर्चस्व को लेकर मारुति वैन से आए पांच हमलावरों ने अवधेश राय की स्टेनगन से अंधाधुन गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। हमला उस समय हुआ था, जब अवधेश राय मारुति जिप्सी से आकर घर के बाहर अपने भाई अजय राय के साथ खड़े थे। इस मामले में अजय राय ने चेतगंज थाने में मुख्तार अंसारी, भीम सिंह, कमलेश सिंह, पूर्व विधायक अब्दुल कलाम व राकेश न्यायिक के खिलाफ धारा 148, 149 व 302 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही पूर्व विधायक अब्दुल कलाम व कमलेश सिंह की मौत हो चुकी है। आरोपित भीम सिंह को गैंगस्टर के एक मामले में 10 वर्ष की सजा हो चुकी है, वह गाजीपुर जेल में बंद है।

आरोपित राकेश न्यायिक ने मामले में अपनी फाइल मुख्तार ने अलग करवा ली थी। उसका केस प्रयागराज सेशन कोर्ट में चल रहा है। वहीं मुख्तार अंसारी के खिलाफ हत्या का यह पहला मामला है जिसमें उसको दोषी ठहराया गया है। वारदात के समय भी मुख्तार विधायक नहीं था और जब फैसला आया तो भी भी वह विधायक नहीं है।

मऊ में दंगे के बाद मुख्तार ने 25 अक्टूबर 2005 को गाजीपुर कोर्ट में समर्पण किया था। इसके बाद करीब 18 वर्ष से वह जेल में बंद है। सजा का आदेश अभियुक्त मुख्तार अंसारी का धारा 148 में तीन वर्ष के साधारण कारावास व 20 हजार रुपये जुमार्ने से दंडित किया गया। इसके अलावा धारा 302 व धारा 149 के तहत आजीवन कारावास व एक लाख रुपये के जुमार्ने से दंडित किया गया।

जुमार्ना अदा न करने पर अभियुक्त को छह माह अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जेल में बिताई गई अवधि सजा की अवधि में समायोजित की जाएगी।

मुख्तार अंसारी ने अदालत से मांगी न्यूनतम सजा मुख्तार अंसारी ने सजा सुनाए जाने के बाद न्यायाधीश से निवेदन किया कि उसकी जो भी सजा चल रही है उसी में उम्रकैद की सजा को भी जोड़ दिया जाए। अदालत ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत आदेश दिया जाएगा।

वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता आदित्य वर्मा ने कहा कि उनके उम्र को दृष्टिगत रखते हुए न्यूनतम सजा दी जाए। इस केस की डायरी हो गई थी गायब अवधेश राय हत्याकांड के मुकदमे की सुनवाई के दौरान मूल केस डायरी गायब हो गई थी। इसका पता पिछले साल उस समय चला जब चेतगंज थाना प्रभारी ने कोर्ट में फोटो स्टेट केस डायरी दाखिल की थी। कोर्ट ने फोटो स्टेट दाखिल करने पर मुख्तार के वकील श्रीनाथ त्रिपाठी ने आपत्ति जताई थी। जबकि अभियोजन ने फोटो स्टेट के आधार पर सुनवाई की मांग की थी। अभियोजन द्वारा तर्क दिया कि मूल केस डायरी को गायब कराने में मुख्तार ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया है।

पौध-रोपण रस्मी नहीं संकल्प बनना चाहिए : मुख्यमंत्री चौहान

BHOPAL : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पौध-रोपण रस्मी नहीं संकल्प बनना चाहिए। पौधे लगाकर हम धरती बचाने के साथ अपनी साँसों का इन्तजाम भी करते हैं। उन्होंने नागरिकों का आह्वान किया कि पौधे लगाएँ और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी लें।मुख्यमंत्री चौहान ने सोमवार को भोपाल में राजा भोज विमानतल के निकट विश्व पर्यावरण दिवस पर पौध-रोपण के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, रहवासी संघों, गायत्री परिवार, स्काउट- गाइड, एनसीसी, एनएसएस के कैडेट्स और नागरिकों ने पौधे रोपे। मियावाकी पद्धति से 311 पौधे रोपे गए। इनमें शीशम, अमलतास, पीपल, गूलर जैसे बड़े वृक्षों के पौधे और झाड़ी नुमा वृक्षों के पौधे भी शामिल थे।

सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि प्रकृति ही हमारा असली घर है

पर्यावरण को बचाने के लिए पर्यावरणीय जीवनशैली को अपनाने की जरूरत : बादल पत्रलेख

बादल पत्रलेख व वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ संजय, राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के अध्यक्ष शशिकर सामंता व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल पत्रलेख ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मिशन लाइफ का संदेश यह है कि लोगों द्वारा किए गए छोटे कार्य भी समाज को नई दिशा दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें धरती को बचाने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदार बनाता है। मंत्री बादल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में आम जन-जीवन में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को अपनाने पर बल दिया गया। मौके पर मिशन लाइफ के अभियान से जुड़ी पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ संजय ने कहा कि मिशन लाइफ के रूप में वैश्विक पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके तहत व्यक्तिगत स्तर पर उठाए गए छोटे कदमों पर खास बल दिया गया है। मिशन लाइफ अभियान को व्यापक जन-समर्थन मिला है। वन विभाग बेहतर पर्यावरण के लिए अभियान की गतिविधियों को निरंतर जारी रखेगा।

झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के अध्यक्ष शशिकर सामंता ने कहा कि यदि हम प्रदूषण-मुक्त एवं खुशहाल समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें अपने जीवन में सततशीलता के सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता है। मिशन लाइफ नागरिक जुड़ाव और सामूहिक जिम्मेदारियों पर जोर देता है।हम सभी स्टेकहोल्डर्स को बेहतर पर्यावरण और समाज के लिए योगदान करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के सदस्य सचिव वाईके ने बदलाव लाने में सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि जिस पर्यावरण में हम रहते हैं, उसे संरक्षित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बेहतर पर्यावरण और समृद्ध समाज बनाने के लिए स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हम पर्यावरणीय मुद्दों पर जन-जागरुकता फैलाने के लिए अधिकाधिक कदम उठाएंगे।

सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि प्रकृति ही हमारा असली घर है, इसलिए हमारा यह दायित्व है कि इसके संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करें। हमें स्थानीय स्तर पर जलवायु-अनुकूल पारंपरिक एवं सामाजिक मानदंडों को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सीड डाटा और विज्ञान के व्यापक उपयोग से जन-जागरूकता को बढ़ावा देने में सरकारी विभागों एवं एजेंसियों को निरंतर सहायता प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में राज्य में वायु गुणवत्ता प्रबंधन, प्रबंधन के बेस्ट प्रेक्टिसेज और समाधानों के बारे में चर्चा की गई जिसमें डॉ मनीष कुमार, (डायरेक्टर, रिसर्च और डेवलपमेंट, सीड), राजीव कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, बीआईटी मेसरा) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील और अन्य संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। कार्यक्रम में पर्यावरणविदों, ग्राम सभाओं के प्रतिनिधियों और सामुदायिक कार्यकताओं को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

BRIEF NEWS

केंद्र सरकार ने 76 लाख गरीब लोगों का डेटा दिया, सब्सिडी राशि सिर्फ 14 लाख लोगों को ही क्यों भेजी : सीपी जोशी

JAIPUR : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा है कि केंद्र सरकार ने 76 लाख लोगों का डाटा उपलब्ध कराया है। यह बात समझ से परे है कि मुख्यमंत्री इसके लिए मना क्यों कर रहे हैं, जबकि डाटा पूर्व में भी उपलब्ध कराया जा चुका है। कांग्रेस के 2018 के चुनाव घोषणा पत्र में पृष्ठ संख्या 39 के बिंदु संख्या 54 में गैस सिलेंडर की कीमतों पर नियंत्रण के लिए प्रयास का वादा किया था, तो वह वादा आप लोगों को साढ़े 4 साल याद क्यों नहीं आया। जोशी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगाए आरोप कि हमें केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना का डाटा उपलब्ध नहीं कराया है, को लेकर प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। जोशी ने कहा कि वास्तव में इनकी सभी गरीबों को सस्ता सिलेंडर देने की नियत नहीं है। जबकि केंद्र सरकार ने हमेशा प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। केंद्र सरकार ने 76 लाख गरीब लोगों का डेटा दिया, तो आपने सब्सिडी राशि सिर्फ 14 लाख लोगों को ही क्यों भेजी। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग की बात करते हैं, प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के पेट में क्यों दर्द हो रहा है। पेपर लीक के कारण कितने लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। आपने बाबू लाल कटारा को आरपीएससी मेंबर बनाया और वही सबसे बड़ा घोटाले बाज निकला। वह इतने दिन से वहां बैठकर पेपर आउट कर रहा था और आपने इतनी विलंब से उसे पकड़ा, पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की। पेपर लीक करने वाले दो आरोपियों के घर तोड़े, लेकिन आरपीएससी मेंबर कटारा का घर क्यों नहीं तोड़ा? आखिर आपकी इसके प्रति सहानुभूति क्यों हैं? राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष धर्मपाल जारोली को आपने क्यों बर्खास्त किया था? अगर वह इस मामले में दोषी ,थे तो उन पर आगे कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले साढे 4 साल से कांग्रेस क्षेत्र में कहीं नहीं दिखी। कोरोना काल में कांग्रेस के मंत्री कभी बंगलों से बाहर नहीं निकले। आपने चुनावी घोषणा पत्र में जनता से कई वादे किए थे। बिजली की दर नहीं बढ़ाएंगे, लेकिन बढ़ा दी। प्रदेश को सुशासन देने का वादा किया था, लेकिन अपराध का गढ़ बना दिया। अपराधियों में पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। आम आदमी प्रदेश में बिल्कुल सुरक्षित नहीं है।

मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उप्र के अधिकारियों से शिक्षा पर की चर्चा

DEHRADUN : उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने उत्तर प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा में अपने सुझाव रखे। शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि उत्तर प्रदेश भ्रमण के दौरान उन्होंने आज लखनऊ में राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के सभागार में वहां के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें उन्होंने एनईपी-2020 के क्रियान्वयान एवं क्वॉलिटी एजुकेशन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. रावत ने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा परिणाम आधारित शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर किये जा रहे कार्यों से वहां के अधिकारियों को अवगत कराया गया। सूबे में तैयार विद्या समीक्षा केन्द्र कैसे उत्तराखंड की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का वाहक बनेगा। इस पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्या समीक्षा केन्द्र को स्थापित करने से पूर्व गुजरात व कर्नाटक के विद्या समीक्षा केन्द्रों का बारीकी के अवलोकन किया गया। इसके उपरांत उत्तराखंड की परिस्थितियों एवं वहां की बेहतर चीजों को अपनाया कर नया मॉडल तैयार किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों के अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को आमंत्रित किया। बैठक में वहां के शिक्षा अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को लेकर किये जा रहे कार्यों पर प्रस्तुतिकरण दिया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है जिसके लिये 35 पैरामीटर्स तय किए गए हैं। अकादमिक रिसोर्स पर्सन एवं स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सहयोग से निपुण भारत मिशन के तहत निपुण विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में विद्या समीक्षा केन्द्र के क्रियाशील होने के बाद प्रतिमाह लगभग 1.5 लाख फोन कॉल से फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा में पंख पोर्टल के माध्यम से बच्चों की कैरियर काउंसिलिंग की जा रही है जबकि मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों से जुड़े प्रकरण हल किये जा रहे हैं। जिसपर विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने वहां के अधिकारियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य में दोनों राज्य के मध्य एक-दूसरे की बेहतर योजनाओं के आदान-प्रदान करने की बात कही।

फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान के मोहरे : चुघ

JAMMU : नेकां के पूर्व अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत करनी चाहिए, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को कहा कि अगर भारत किसी से बात करेगा तो वह केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ करेगा। चुघ ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान के हाथ का मोहरा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, ह्लडॉ फारूक अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर में नए घटनाक्रम से सीखना चाहिए, अब्दुल्ला के शासन के दौरान कश्मीर गोलियों और बमों के लिए लोकप्रिय था। पीएम नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद से पर्यटन का केंद्र बनाया है। अगर भविष्य में भारत किसी से बात करेगा तो वह जम्मू-कश्मीर के लोगों से ही करेगा। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में जी-20 शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक कार्यक्रम था और यह जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के पूरे दिल से समर्थन के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा, जो लोग जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के खिलाफ बोल रहे थे, उन्हें आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और अपने कुकर्मों के लिए पश्चाताप करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुफ्ती, अब्दुल्ला और गांधी ने जम्मू-कश्मीर की सद्भावना को नष्ट कर दिया है और यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी हैं जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को अनिश्चितता के दलदल से बाहर निकाला और आतंकवाद और उनके समर्थकों के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर दिया। चुघ ने कहा, कश्मीर ने शांति, समृद्धि और विकास की यात्रा शुरू कर दी है और यह आगे भी जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने मिशन लाइफ का मंत्र देकर विश्व को दिशा दिखाई : शिवराज

BHOPAL : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की माता-बहनें हजारों सालों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील रही हैं, पेड़-पर्वतों की पूजा में उनका प्रकृति के प्रति आदर भाव अभिव्यक्त होता था। वर्तमान पीढ़ी को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए चेतना होगा। यदि हमने इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को हम रहने लायक नहीं छोड़ पाएंगे। पर्यावरण-संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौध-रोपण, बिजली की बचत, पानी बरबाद न करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लेना होगा। इन आदतों में परिवर्तन कर हम धरती की सेवा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) का मंत्र देकर पर्यावरण-संरक्षण के लिए विश्व को दिशा दिखाई है। मुख्यमंत्री चौहान सोमवार को पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण के प्रति जन-जागृति के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर मिशन लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम से प्रदेश के सभी 52 जिले वर्चुअली जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने तुलसी के पौधे पर जल अर्पित किया और कन्या-पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य-योजना तथा प्रदेश के सात स्मार्ट शहर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सतना और सागर के क्लाइमेट एक्शन प्लान पुस्तिकाओं का विमोचन किया।

BRIEF NEWS

बुडु एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों के संग की अपराध समीक्षा बैठक

RANCHI : बुंडू अनुमंडल एसडीपीओ कार्यालय में सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता डीएसपी अजय कुमार ने किया उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अपने थाना क्षेत्र के इलाकों में देसी शराब बेचने वाले लोगों पर पाबंदी लगाएं तथा इस पर कार्रवाई करें। उन्होंने बुंडू तथा आसपास के क्षेत्रों के होटलों में बेचे जाने वाली शराब के बारे में कहा कि विशेष अभियान चलाकर इस पर कार्रवाई की जाएगी।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी: मधुसूदन मोदक

RANCHI : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को डेलीमार्केट थाना परिसर में पौधरोपण किया गया। थाना प्रभारी मधुसूदन मोदक के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों ने पौधरोपण किया। साथ ही सभी पुलिस कर्मियों ने पर्यावरण को संरक्षित करने का भी संकल्प लिया । इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि हम सभी यह तय करें कि हर एक अवसर पर अपने आसपास पेड़ पौधे लगाएं। हम सभी का कर्तव्य बनता है कि वनों की रक्षा करें, साथ ही साथ पेड- पौधे लगाने का संदेश दूसरों को भी दें एवं प्रेरित करें। ताकि आने वाले पीढ़ी को पर्यावरणीय दृष्टि से तकलीफ ना हो। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है साथ ही साथ सभी लोग संकल्प लें कि अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे। हमारे पूर्वजों ने वृक्ष लगाए होंगे तभी आज हम सुरक्षित हैं और स्वच्छ हवा में सांस ले रहे हैं।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में स्थित ईवीएम वेयर हाउस का मासिक (बाह्य) निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे। ईवीएम वेयर हाउस के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि निर्धारित समय पर इवीएम वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण कर रख-रखाव, सुरक्षा एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट राज्य निर्वाचन विभाग को समर्पित करना होता है।

भारतीय मानव अधिकार संस्थान ने रिम्स में किया पौधारोपण

RANCHI : विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भारतीय मानवाधिकार सेवा संस्थान ने रिम्स परिसर में पौधारोपण किया। इसमें मुख्य रूप से नीम, गुलमोहर समेत अन्य का पौधे लगाए गए। संस्थान के अध्यक्ष मनोज ने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में हर व्यक्ति आज के दिन एक पेड़ लगाए तो पर्यावरण शुद्ध रहेगा। पेड़ लगाने के साथ-साथ उसकी देखभाल करनी भी जरूरी है। जब तक पौधा वृक्ष का आकार न ले ले। वहीं पेड़ बड़ा होकर ऑक्सीजन देता है। संस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार प्रसाद, सचिव ललिता मुखर्जी, आभा देवी, अशोक मुखर्जी, शिवानी वंदना उपाध्याय, पूजा गाड़ी, सोनल मिट्ठू घटक शामिल हुए।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

GAS सिलेंडर चोर गिरोह का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

भेजे गए जेल, चोरी के 101 गैस सिलेंडर, तीन मोबाइल और एक ऑटो बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने गैस सिलेंडर चोर गिरोह का खुलासा किया है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हरमू रोड निवासी 22 वर्षीय बिट्टू कुमार, चिरौंदी निवासी 30 वर्षीय रमेश कुमार, तिरिल बस्ती कोकर निवासी 25 वर्षीय निशांत कुमार और हनुमान नगर चिरौंदी निवासी 37 वर्षीय पंकज कुमार शामिल हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न गैस गोदामों से चोरी के 101 पीस सिलेंडर, तीन मोबाइल फोन व घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त टेंपू जेएच01 इडब्लू 1604 को जब्त किया है। पूछताछ में आरोपितों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने सभी आरोपियों को 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आरोपियों ने बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र के खरसीदाग ओपी और नगड़ी थाना क्षेत्र के गैस गोदाम से गैस सिलेंडर चोरी कर विभिन्न गैस दुकान एवं अन्य व्यक्ति को बेचते थे। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी किया जा रहा है। यह जानकारी रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने दी।

छापेमारी दल में ये थे शामिल : गैसे सिलेंडर चोर का खुलासा करने गये छापेमारी टीम में नामकुम थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी के अलावा खरसीदाग ओपी प्रभारी सुखेदव साह, नामकुम थाना के पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार केसरी, खरसीदाग ओपी के पुअनि सुधांशु कुमार समेत नामकुम और खरसीदाग ओपी के सशस्त्र बल शामिल थे।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

क्या है पूरा मामला

नामकुम थाना क्षेत्र के खरसीदाग ओपी अंतर्गत एचपी गैस गोदाम कुटियातू, रांची से 39 गैस सिलेंडर की चोरी हुई थी। सिलेंडर चोरी को लेकर गैस गोदाम मालिक ने लिखित आवेदन दिया था। तत्काल इसकी सूचना रांची एसएसपी को दी गयी। एसएसपी ने ग्रामीण एसपी को एक टीम गठित कर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के आलोक में ग्रामीण एसपी ने सहायक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय-प्रथम के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम ने रांची के विभिन्न स्थानों से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी की गई 30 पीस गैस सिलेंडर समेत अन्य 62 पीस गैस सिलेंडर को बरामद किया। वहीं, चोरी किये गये गैसे सिलेंडर की ढुलाई करने के आरोप में एक ऑटो को भी जब्त किया। साथ ही तीन मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

ब्राउन शुगर और गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

चिकन दुकान की आड़ में चला रहा था कारोबार

जानकारी देते सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : गोंदा थाना पुलिस ने चिकन दुकान की आड़ में ब्राउन शुगर व गांजा का कारोबार करने वाले एक युवक को सोमवार को पकड़ लिया। पकड़ में आया युवक हातमा के टंगरा टोली निवासी भोलू मिर्धा है। भोलू अपने घर पर ही चिकन बेचता था। इसी बीच में ब्राउन शुगर का भी कारोबार करता था। ग्राहकों में अधिकतर कालेज के छात्र होते थे। पुलिस ने आरोपी के पास से 13 पुड़िया ब्राउन शुगर, 600 ग्राम गांजा और 75 हजार रुपये नगद बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कांके क्षेत्र का एक सप्लायर उसे ब्राउन शुगर उपलब्ध कराता था। वहीं, गांजा बुंडू से लाता था। घर पर ही ब्राउन शुगर और गांजा का छोटा-छोटा पैकेट बनाता था। आरोपी ने बताया कि अधिकतर ग्राहक कालेज व लाज में रहने वाला विद्यार्थी था। विद्यार्थी दुकान पर आकर कोड वर्ड में बात करता था। आश्वस्त होने के बाद माल देता था। पूछताछ के बाद पुलिस नशा के अन्य सौदागरों की खोजबीन में जुट गई है।

यौन शोषण का एक विचाराधीन मामला रांची कोर्ट TRANSFER

हजारीबाग कोर्ट में चल रही थी सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : यौन शोषण मामले के आरोपी सार्जेंट दीपक टोप्पो के खिलाफ हजारीबाग कोर्ट में विचारधीन मामले को हाईकोर्ट ने रांची न्यायालय ट्रांसफर कर दिया है। मामले से जुड़ी न्यायिक प्रक्रिया अब रांची के ज्यूडिशियल कमिश्नर कोर्ट में होगी। दरअसल, सार्जेंट दीपक टोप्पो पीड़िता को रुपया लेकर केस मैनेज/कॉम्प्रोमाइज करने के लिए लगातर दबाव बना रहा था। बात नहीं मानने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। ऐसे में पीड़िता को न्यायिक प्रक्रिया के लिए हजारीबाग न्यायालय जाना मुश्किल हो गया था। पीड़िता ने सुरक्षा के मद्देनजर हाईकोर्ट में ट्रांसफर पिटिशन फाइल किया। जिससे कि मामले की न्यायिक प्रक्रिया रांची में पूरी की जा सके। हाईकोर्ट में ट्रांसफर पिटिशन की सुनवाई न्यायाधीश गौतम कुमार चौधरी की अदालत में हुई। इस संबंध में पीड़िता ने थाना से लेकर, एसपी आफिस (रांची) और एसपी आफिस (हजारीबाग) में कई बार लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें पीड़िता ने बताया कि सार्जेंट लगातार रूपया लेकर केस मैनेज करने को मजबूर कर रहा है, और बात नहीं मानने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पूर्व में भी सार्जेंट ने पीड़िता को हजारीबाग में डराया, धमकाया और बंधक बनाकर रखा था।

क्या है मामला : सदर महिला पुलिस स्टेशन, हजारीबाग में सार्जेंट के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारारिक शोषण के आरोप में कांड संख्या 20-2020 के तहत एफआइआर दर्ज किया गया था। पुलिस स्टेशन में एफआइआर दर्ज होने के बाद केस से बचने की नियत से सार्जेंट ने पीड़िता के साथ कोर्ट मैरेज कर लिया, लेकिन, कोर्ट मैरिज होते ही सार्जेंट ने पीड़िता को अपने साथ रखने से इंकार कर दिया साथ ही शारिरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने लगा। जिसके बाद 22 फरवरी को सार्जेंट को अरेस्ट कर हजारीबाग जेल भेज दिया गया था। अभी सार्जेंट बेल पर है।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल सहित अन्य की न्यायिक हिरासत बढ़ी

ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत ने निलंबित आईएएस पूजा सिंघल सहित अन्य की न्यायिक हिरासत अवधि 15 जून तक के लिए बढ़ा दी है। रिम्स में इलाजरत निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की पेशी सोमवार को ईडी कोर्ट में नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर मामले के आरोपी सीए सुमन कुमार, खूंटी के तत्कालीन सहायक अभियंता शशि प्रकाश और पूर्व जेई राम विनोद प्रसाद सिन्हा की पेशी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ईडी के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने इन तीनों की न्यायिक हिरासत की अवधि भी 15 जून तक बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि गत 10 अप्रैल को पूजा सिंघल के खिलाफ कोर्ट ने आरोप गठित कर दिया था।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मनरेगा आयुक्त ने किया पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता जरूरी : राजेश्वरी

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने आज राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (सर्ड) के परिसर में शीशम एवं पीपल का पौधा लगाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर मनरेगा आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण का संबंध हमारे जीवन से है। पर्यावरण हमें बहुत कुछ देता है। हमें भी पर्यावरण को बचाने के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण काफी जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए आम लोगों में संवेदनशीलता के साथ- साथ जागरूकता का होना जरूरी है। राजेश्वरी बी ने आम लोगों से अपील की, कि चाहे बच्चे का जन्मदिन हो या शादी समारोह या फिर कोई विशेष अवसर, छोटे-बड़े सभी अवसरों पर पौधारोपण अवश्य करें। सभी व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनायें और लोगों को प्रेरित भी करें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर छोटे कदमों और उपायों को लागू कर हमें स्वस्थ जलवायु को बढ़ाना है। इस मौके पर ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव अरुण कुमार सिंह, उप निदेशक अनुपम भारती, सहायक निदेशक राजीव रंजन, सहायक निदेशक अनिल यादव एवं अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे।

पौधारोपण करतीं मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ● फोटोन न्यूज

नामकुम में सड़क चौड़ीकरण में 11 लोगों की 5 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण

RANCHI : नामकुम अंचल में करकट्टा नदी से दसमाइल तक 9.244 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण और पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इसको लेकर वेबगाई, किसकी, तुपुदाना, गुंडू करकट्टा और सिरी गांव के 11 लोगों की कुल 5.802 एकड़ जमीन का अधिग्रहण भू-अर्जन विभाग द्वारा किया जायेगा। रांची जिला भू अर्जन ऑफिस द्वारा इसके लिए आदेश जारी किया गया है। कहा गया है कि इसको लेकर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो 60 दिनों के अंदर भू अर्जन कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि इस परियोजना के लिए 5.802 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होगा। अहलादत अहीर, कंदरू पाहन, घासी मानकी, नगना उरांव, बड़का होनगा, डेडो पाहन, घिरजा मुंडा, पहनु अहीर, पोटेआ उरांव, विजला उरांव, बुधु की जमीन ली जायेगी।

महिला JUNIOR ASIA CUP भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

PHOTON NEWS RANCHI : जापान के काकामिगाहारा में खेले जा रहे महिला जूनियर एशिया कप 2023 में भारत ने मलेशिया को 2-1 से हरा दिया। डायन नजेरी ने मलेशिया को शुरूआती बढ़त दिलायी, लेकिन मुमताज खान और दीपिका ने गोल कर भारत को मैच जिताने में मदद की और पूल ए में शीर्ष पर बने रहे। भारत की यह दूसरी जीत है। इससे पहले अपने पहले गेम में उज्बेकिस्तान को 22-0 से शिकस्त दी थी। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही आक्रमण करना शुरू कर दिया। कुछ पेनल्टी कार्नर जीते, लेकिन वे अवसरों को भुनाने में असफल रहे।

एक फील्ड गोल कर डियान नाजेरी ने टीम को दिलायी बढ़त : उधर मलेशिया ने भी जवाबी हमले किये और डियान नाजेरी ने एक फील्ड गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि कुछ ही मिनटों के बाद भारत ने मुमताज खान के पेनल्टी कार्नर के माध्यम से वापसी की। शुरूआती क्वार्टर का स्कोर 1-1 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। बढ़त लेने के लिए बेताब भारत ने दूसरे क्वार्टर में पूरी ताकत झोंक दी और दीपिका ने पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिलायी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम मंगलवार को अपने तीसरे पूल ए मैच में दक्षिण कोरिया से खेलेगी।

तेजस्वी डेवलपर्स से मांगी गयी एक करोड़ की रंगदारी, जान से मारने की भी धमकी

लालपुर थाना में प्रथिमिकी दर्ज, पांच लोगों पर लगाया आरोपी

CRIME REPORTER RANCHI : तेजस्वी डेवलपर्स के निदेशक (डायरेक्टर) मुन्ना कुमार से एक करोड़ की रंगदारी मांगी गयी है। इसको लेकर लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 30 मई की शाम सात बजकर 16 मिनट पर इस्टर्न मॉल के 7वें तल्ले पर स्थित मुन्ना कुमार के ऑफिस में पांच लोग आये और कहा कि अगर तेजस्वी रेसिडेंसी को विकसित करना है तो एक करोड़ की रंगदारी देनी होगी। पांचों लोगों ने मुन्ना कुमार को पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि पैसा नहीं दिये तो सीसीटीवी एरिया से बाहर आते ही तुम्हारी हत्या कर दी जायेगी। उन लोगो ने यह भी कहा कि उन्हें जेल प्रशासन और पुलिस का भय नहीं है। हत्या के आरोप में वे लोग काफी लंबे समय तक जेल में रहकर बाहर आये हैं। दर्ज प्राथमिकी में मुन्ना कुमार ने यह भी लिखा है कि उन्हें धमकी दी गयी है कि तीन-चार लोगों की हत्या होनी तय है। इस घटना के बाद वे काफी भयभीत है। उन्होंने पुलिस को घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया है। पुलिस इस मामले में भादवि की धारा 451, 387 व 34 के तहत मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ममता कुमारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मामले में जिन पर आरोप लगाया गया है उनसे प्रॉपर्टी का विवाद पूर्व से चल रहा है। मामला कोर्ट में भी चल रहा है।

JSLPS के छह अफसर-कर्मी पर गिरी जांच की गाज, तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन

लापरवाही और लिफ्ट इरीगेशन जैसी सिंचाई योजनाओं में अनियमितता के आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी रांची के छह वरीय अफसर-कर्मी जांच के घेरे में आ गये हैं। इनपर भारी गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जेएसएलपीएस के अधिकारियों पर मनमाने तरीके से काम करने, लापरवाही और लिफ्ट इरीगेशन जैसी सिंचाई योजनाओं में अनियमितता के आरोप लगाये गये हैं। यह बात भी अब सामने आ रही है कि अधिकारियों की वजह से जेएसएलपीएस के तहत चलाये जा रहे कार्यों की स्थिति काफी खराब है। इस वजह से जेएसएलपीएस के अस्तित्व पर भी संकट है और कर्मियों की भी स्थिति ठीक नहीं है। पूरे मामले पर जेएसएलपीएस के सीइओ सूरज कुमार और मुख्यमंत्री सचिवालय तक परिवाद पहुंचायी गयी और जेएसएलपीएस के अधिकारियों के करतूतों की जानकारी दी गयी। मामले को सीएम सचिवालय ने गंभीरता से लिया है और ग्रामीण विकास विभाग को उचित कार्रवाई करने को कहा है। इसके बाद ही ग्रामीण विकास विभाग ने पूरे मामले की जांच कराने का फैसला लिया है। इन सभी अधिकारियों पर ओरमांझी के सुधीर कुमार मांझी ने 1 दिसंबर 2022 को ही परिवाद दिया था जिसमें एसपीएम रंजन श्रीवास्तव, डॉ.प्रवीण सिंह, राज्य समन्वयक अरिन्दम मिश्रा, शशांक, अमरेंद्र कुमार एवं ओम प्रकाश के विरूद्ध एनआरएलम, जिका, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं में वित्तीय अनियमितता, कमीशनखोरी का आरोप लगाया गया है। पूरे मामले को गंभीर प्रकृति का मानते हुए ग्रामीण विकास विभाग ने जांच कराने का निर्णय लेते हुए संयुक्त सचिव ग्रामीण विकास विभाग शैल प्रभा कुजूर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। प्रस्ताव पर विभागीय सचिव चंद्रशेखर का भी अनुमोदन लिया गया है।

इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय और नेतरहाट की तर्ज पर अन्य आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा का 25 जून को, नौ तक कर सकते हैं आवेदन

24 JUNE को होगी झारखंड मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा 24 जून को ली जाएगी। इसके अतिरिक्त इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय और नेतरहाट की तर्ज पर अन्य आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा का आयोजन 25 जून को होगी। इसकी तैयारी शिक्षा विभाग कर रहा है। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया पांच जून तक थी। आवासीय विद्यालयों के लिए नौ जून तक आवेदन किए जा सकते हैं। हर स्कूल से कम-से-कम 15 छात्र-छात्राओं को आवेदन कराया जा रहा है। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव के. रवि कुमार ने इसकी समीक्षा की थी। समीक्षा के दौरान कई तरह के निर्देश दिए गए थे। बताया गया कि सभी प्रवेश परीक्षा का आयोजन झारखंड एकेडमिक काउंसिल करेगा। शिक्षा सचिव ने जिलों को निर्देश दिया है कि ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं को इसके लिए आवेदन करवाएं। जितने ज्यादा प्रतिभागी होंगे उनके बीच प्रतियोगिता उतनी ज्यादा होगी। सभी बच्चों तक जानकारी नहीं होने की वजह से आवेदन नहीं कर पाते हैं और परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते हैं।

हर साल 5000 स्टूडेंट्स को दी जाती है छात्रवृत्ति

सीएम मेरिट स्कॉलरशिप के तहत हर साल 5000 छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जाती है। स्टूडेंट्स का सेलेक्शन प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक जिले से अधिकतम 400 स्टूडेंट का चयन होता है। चयनित सभी स्टूडेंट्स को क्लास 9 से 12वीं तक 12 हजार वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। क्लास 9 से 11 मई तक आयोजित होने वाली प्रत्येक वार्षिक परीक्षा में संबंधित स्टूडेंट्स को 60 फीसदी अंक लाना अनिवार्य होगा। तभी आगामी वर्ष के लिए वे छात्रवृत्ति पाने के योग्य माने जाएंगे। किसी भी क्लास चाहे वह नौ, 10 या 11 में 60 फीसदी अंक लाने में असफल होते हैं तो उन्हें अगले साल से इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

जैक 11वीं का रिजल्ट जल्द करेगा जारी

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) 11वीं का रिजल्ट जल्द ही जारी करेगा। रिजल्ट जारी होने के बाद छात्र जैक के इस आधिकारिक वेबसाइट पर रिजल्ट देख सकेंगे। जैक जल्द ही झारखंड 11वीं कक्षा के रिजल्ट 2023 के लिए रिलीज की तारीख और समय की पुष्टि करने जा रही है। जिन छात्रों ने इस साल अपनी जैक कक्षा 11वीं की परीक्षा दी है, वे अब जैक 11वीं के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसकी उम्मीद की जा रही है। बताया जा रहा है 10 जून तक रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। लेकिन एग्जाम डिपार्टमेंट के द्वारा अभी तक रिजल्ट जारी करने के लिए ऑफिसियल तिथि को जारी नहीं किया गया है। घोषणा के बाद छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर अपना परिणाम चेक कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि जैक की ओर से कक्षा 11वीं बोर्ड परीक्षा 17, 18 और 20 अप्रैल 2023 को आयोजित की गई थी। 11वीं की परीक्षा 40 अंकों की ली गई थी। जबकि 10 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन लिया गया था। दोनों मिलाकर कुल 50 अंकों का परीक्षा लिया गया था। पांच विषयों की परीक्षा ली गई थी, जिसमें से चार विषय में पास होना अनिवार्य है और हर विषय में 17 अंक लाना होगा।

जमीनी विवाद में पुत्र ने की पिता की हत्या

फोरलेन बाईपास जमीन की मिली राशि के मामले को लेकर भी था विवाद

PHOTON NEWS MADNINAGAR : जिले के छत्तरपुर थाना क्षेत्र में रविवार की रात छोटे पुत्र बिन्देश्वर यादव ने अपने पिता नारायण यादव (60) को नुकीले एवं धारदार हथियार से शरीर के कई हिस्से में वारकर मार डाला। घटना अर्जुनडीह मोहल्ले में घटी। पुलिस ने सोमवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद पुत्र बिन्देश्वर यादव फरार है। घटना के मूल में जमीन विवाद है। पिता का शव क्षत-विक्षत अवस्था में नवनिर्मित घर छतरपुर उदयगढ़ रोड के किनारे मिली है। यह मकान पिता द्वारा बड़े पुत्र के लिए बनाया जा रहा था। थाना प्रभारी शेखर कुमार ने बताया कि कुछ माह से पिता-पुत्र के बीच जमीनी विवाद और फोरलेन बाईपास में गई जमीन की मिली राशि का मामले को विवाद रहा था।

उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले हिस्सेदारी को लेकर बाप-बेटे के बीच झड़प हुई थी। तीन बेटों में सबसे छोटा पुत्र बिंदेश्वर यादव कुछ माह पहले ही अपने बेटे की शादी की थी। पिता-पुत्र के बीच रंजिश इतनी गहरा गई थी कि दादा अपने पोते की शादी में शरीक नहीं हुए थे। आरोपित बिंदेश्वर के बड़े भाई उदेश्वर यादव ने पुलिस को बताया कि यह हत्या मेरे छोटे भाई ने ही की है, उसी का विवाद मेरे पिता से हिस्सेदारी को लेकर चल रहा था। बिंदेश्वर अभी अपने घर से फरार है। बड़ा भाई उदेश्वर यादव और राजेश्वर यादव घर पर हैं। इनके बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है, अनुसंधान जारी है।

मरांडी ने देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया के कारोबार की जांच की मांग की

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से देवघर में प. बंगाल के जमीन माफिया का फैल रहे कारोबार की जांच कराने की मांग की है। गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने भी उनसे सहमति जताई है।

बाबूलाल के मुताबिक रांची की तरह देवघर में भी बड़े पैमाने पर कागजातों की हेराफेरी और जालसाजी कर जमीन घोटाला हुआ है। यह सिलसिला जारी है। अपनी चिंताओं को साझा करते कहा है कि एम्स एवं एयरपोर्ट स्थापना की गयी है। साथ ही बाबा वैद्यनाथ के विश्वव्यापी महत्व के चलते देवघर की जमीन पर न सिर्फ झारखंड बल्कि सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल के जमीन माफियाओं की भी नजर रही है। वहां के कुछ मामलों की जांच सीबीआई भी कर रही है। फिर भी जमीन घोटाले का गोरखधंधा जारी है।

मरांडी के अनुसार देवघर में हो रहे जमीन घोटाले गोरखधंधे का अंतरराज्यीय संबंध रांची की तरह बंगाल से है। सीबीआई और ईडी डायरेक्टर से अनुरोध करते बाबूलाल ने कहा है कि रांची की तरह देवघर में कागजातों की हेराफेरी कर हो रहे जमीन घोटाले की विस्तार से जांच का काम अपने हाथ में लें। सोशल मीडिया के जरिये उन्होंने पीएमओ, गृह मंत्रालय, इनकम टैक्स विभाग, देवघर डीसी और झारखंड सीएमओ को भी इस ओर ध्यान देने को कहा है।

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बाबूलाल की चिंताओं को जायज मानते कहा है कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री होने के साथ साथ वे संताल परगना के नस नस को जानते हैं। देवघर में मंदिर, ट्रस्ट, धर्मशाला की जमीन को बेचने की होड़ लगी है। इसके अलावा एसपीटी कानून को धता बताकर गलत कागज पर भी जमीन की खरीद बिक्री हो रही है। एलपीसी भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट बन गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अदानी फाउंडेशन ने बच्चों के बीच चलाया जागरूकता अभियान

राजकीय विद्यालय डुमरिया
adani
Foundation
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून 2023
आयोजक- अदानी फाउण्डेशन, गोड्डा

विश्व पर्यावरण दिवस पर रैली में शामिल बच्चे। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GODDA : पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को अदाणी समूह की सीएसआर शाखा अदाणी फाउंडेशन ने बच्चों के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। अदानी पावर प्लांट के आसपास स्थित 20 से ज्यादा गांवों के स्कूलों, आंगनबाड़ी सेंटर व पंचायत भवन में प्रभात फेरी और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों सहित वृक्षारोपण आदि गतिविधियां आयोजित की गईं।

दिन की शुरूआत एक प्रभात फेरी के साथ हुई, जहां छात्रों, शिक्षकों और अदानी फाउंडेशन के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाले संदेशों वाले बैनर और तख्तियां लेकर एक साथ मार्च किया। प्रभात फेरी के बाद चयनित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से इंटरैक्टिव प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तकरीबन बीस गांव के पच्चीस सौ लोगों ने हिस्सेदारी की।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों तथा सभी उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्रकृति की रक्षा, संसाधनों के संरक्षण और प्रदूषण को कम करने का संकल्प लेकर, बच्चों ने अपनी जिम्मेदारी और समर्पण का भाव प्रदर्शित किया।

अदाणी फाउंडेशन के अधिकारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य युवाओं को हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि अगले दो माह में फाउंडेशन की ओर से हमने पच्चीस हजार पौधा लगाने का संकल्प लिया है। फाउंडेशन के प्रयासों की स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने काफी सराहना की। साथ ही ग्रामीणों ने कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया और अपने समुदायों के भीतर पर्यावरण संरक्षण के संदेश को फैलाने का संकल्प लिया।

अदाणी फाउंडेशन का पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण और इस नेक काम में बच्चों को शिक्षित करने और शामिल करने का यह प्रयास सतत विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। युवा मन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना का पोषण करके, अदाणी फाउंडेशन एक ऐसी पीढ़ी को बढ़ावा दे रहा है जो आने वाले वर्षों के लिए पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देगी और उसका समर्थन करेगी।

पलामू में नाबालिग लड़की ने दिया बच्ची को जन्म

PHOTON NEWS MADNINAGAR : नावाजयपुर थाना क्षेत्र की दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग लड़की ने बच्ची को जन्म दिया है। एमआरएमसीएच मेदिनीनगर में नॉर्मल डिलीवरी से प्रसव कराया गया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। एमआरएमसीएच मेदिनीनगर से नाबालिग लड़की और उसके बच्चे को बालिका गृह में रखा जाएगा। नाबालिग लड़की के साथ उसके 46 वर्षीय पड़ोसी ने दुष्कर्म किया था। मामले का खुलासा तब हुआ, जब दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती हो गई।

दरअसल, जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र की 15 वर्षीय पीड़िता अपने पड़ोस में पानी लेने के लिए जाती थी। आरोप है कि इसी दौरान 46 वर्षीय पड़ोसी ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया था। साथ ही मामले की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। दुष्कर्म के चार महीने के बाद पीड़िता गर्भवती हो गई। इसके बाद उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। वहीं जानकारी मिलने के बाद मामले में पीड़िता के पिता ने नावाजयपुर थाना में आवेदन देकर आरोपी पर पॉक्सो और दुष्कर्म की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करायी थी।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित अभी भी जेल में है। आरोपित के खिलाफ पुलिस ने अनुसंधान करते हुए कोर्ट में अंतिम चार्जशीट भी दाखिल कर दी है। दुष्कर्म की एफआईआर होने के बाद से पीड़ित बालिका गृह में ही रह रही थी। प्रसव पीड़ा के बाद नाबालिग को एमआरएमसीएच में भर्ती करवाया गया था, जहां उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है।

बच्ची का कराया जाएगा डीएनए टेस्ट : नवजात का पुलिस डीएनए टेस्ट भी कराएगी। बाल कल्याण समिति की निगरानी में जच्चा और बच्चा को रखा जाएगा। इस संबंध में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश कुमार ने बताया कि जच्चा और बच्चा के स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जा रही है। 18 वर्ष पूरा होने के बाद पीड़िता बच्चे के बारे में फैसला लेगी। पलामू के इलाके में यह तीसरी घटना है।

अभाविप के तत्कालीन छात्र नेता पलामू Civil Court से नौ वर्ष बाद हुए बरी

कोर्ट के बाहर अभाविप के लोग। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS MADNINAGAR : पलामू न्यायालय ने सोमवार को नौ वर्ष की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के तत्कालीन सभी छात्र नेताओं को निर्दोष करार करते हुए बरी कर दिया है। छात्र नेताओं ने कहा कि आज सत्य की जीत हुई है। प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रशासन के तानाशाही रवैया पर विराम लगा है जिन्होंने एक बड़े छात्र आंदोलन को दबाने का असफल प्रयास किया था। विद्यार्थी परिषद छात्रों की समस्याओं के लिए कॉलेज परिसर से लेकर सड़क तक आंदोलन हो या अन्य विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहेगा। तत्कालीन छात्र नेताओं में ज्योति पांडेय, श्वेतांक गर्ग, रोहित पाठक, रितेश चौबे, दीपक पांडेय, हरिवंश सिंह, अनुज सिंह एवं आयुष तिवारी के अलावा 1000 अज्ञात छात्रों पर केस किया गया था।

उल्लेखनीय है कि अगस्त 2014 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से नीलाम्बर पीताम्बर विवि में व्याप्त शैक्षणिक भ्रष्टाचार एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए चरणबद्ध लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर CRPF के जवानों ने किया पौधरोपण

जीवन रक्षा के लिए पर्यावरण की सुरक्षा जरूरीः राधेश्याम सिंह

PHOTON NEWS KHUNTI : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को सीआरपीएफ 94 बटालियन के जवानों ने खूंटी से मुरहू प्रखंड के लोगों को वृक्षा रोपण करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही जियारप्पा, खूंटी में बड़े पैमाने पर पौधरोपण कियाग या।

वहां लगभग डेढ़ हजार पौधे लगाये गये। मौके पर सीआरपीएफ 94 बटालियन के कमांडेंट राधेश्याम सिंह ने जवानों को वृक्षारोपण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को सुखी, समृद्ध व संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जीवन रक्षा के लिए पावरण की सुरक्षा जरूरी है।

आज तेजी से बढ़ रहे औद्योगीकरण के युग में धुंआ और तरह-तरह की गैसें वायुमंडल को प्रभावित कर रही हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारी धरती प्रदूषण रहित रहे और यहां रहनेवाले मानव सुखी व स्वस्थ रहें, तो हमें पेड-पौधो की रक्षा और नव वृक्षारोपण की ओर ध्यान देना होगा। भौतिक प्रगति की तरफ आतुर मानव आज अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए तेजी से वृक्षों की कटाई कर रहा है।

वैश्य समाज ने कोडरमा में धरना-प्रदर्शन किया

उपायुक्त आदित्य रंजन को ज्ञापन सौंपती शालिनी गुप्ता। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODARMA : जिला में बढ रहे अपराध व हत्या के विरोध में वैश्य समाज ने सोमवार को समाहरणालय पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व जिप अध्यक्ष व समाज की जुझारू नेत्री शालिनी गुप्ता ने कहा कि इन घटनाओं से हम सभी मर्माहत है।

उन्होंने कहा कि वैश्य समाज के लोग वोट देते हैं पर बदले में इन्हें चोट मिलता है। आप किसके साथ हैं, इसपर विचार कीजिए और सवाल भी कीजिये। पूर्व डीजीपी महेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्य समाज किसी क्षेत्र में कमजोर नहीं है। धरना के बाद एक टीम बनाकर कोडरमा उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से मिलकर जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करेंगे। उन्हें बतायेंगे कि उद्भेदन नहीं करने पर वैश्य समाज का आन्दोलन और भव्य होगा, हम चुप नहीं बैठेंगे। वैश्य समाज के अध्यक्ष नन्दु गुप्ता ने कहा की हम यह बता देना चाहते हैं कि अपराधियों को जो संरक्षण प्राप्त है उससे डरने वाले हम नहीं है। हमारा संघर्ष तबतक चालु रहेगा जबतक कि अपराधियों को सजा नहीं मिल जाती। माहुरी समाज के अध्यक्ष रवि कपसिमे ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से वैश्य समाज पर अत्याचार बढा है। इन घटनाओं पर जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन का ध्यान नहीं है। आज के धरना प्रदर्शन से हम वैश्य समाज को जगाने का काम कर रहे हैं। अजय कृष्ण ने कहा कि कोडरमा जिला में वैश्य समाज पर अधिक अत्याचार हुआ है कानून और जिला प्रशासन पर से विश्वास उठ गया है। वहीं जयनगर के भाजपा नेता सुरेंद्र भाई मोदी ने बबलू मोदी की हत्या, अर्जुन साव की हत्या मामले के अबतक उद्भेदन नहीं होने और रघुनाथ मोदी व परिजनों के साथ मारपीट के नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर अफसोस जाहिर किया और जिला प्रशासन के रवैये की आलोचना की। धरना प्रदर्शन के पूर्व बरनवाल धर्मशाला से रैली निकाली गयी वहीं धरना के बाद मांगों को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन को ज्ञापन सौंपा गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है : डॉ जे घोष

G20
MILLETS
LiFE

लाइफ थीम पर्यावरण के तहत गरीबों में बीज बांटते लोग। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी और राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान की ओर से संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाइफ थीम पर्यावरण के लिए जीवन के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ जे घोष ने किसानों को बताया कि पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष पांच जून को मनाया जाता है। यह एक ऐसा विश्वव्यापी अवसर है, जो मानव जाति को पर्यावरण के प्रति जागरुकता और क्रियाशील होने के लिए विश्व के अरबों लोगों को एकजुट करता है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था है। इस दृष्टिकोण से आनेवाले प्रत्येक वर्ष हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी अधिक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार ने मिशन लाइफ को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की राष्ट्रव्यापी पहल की है। लाइफ का अर्थ है पर्यावरण के लिए जीवन शैली। इस मिशन की शुरूआत वर्ष 2021 में हो चुकी है। डॉ प्रदोष ने बताया कि जैसे-जैसे शहर विकसित हो रहे हैं, हरियाली कम और कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। हर साल प्रदूषण के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। प्रदूषण लगातार हमारी सांसें कम कर रहा है।

डॉ राजन चौधरी ने कहा कि 2050 तक मानसून से होनेवाली वर्षा में 70 प्रतिशत तक गिरावट की भविष्यवाणी भारतीय कृषि की सेहत को बिगाड़ सकती है। अनुमान लगाया है कि आनेवाले 80 वर्षों में खरीफ फसलों के मौसम में औसत तापमान में 0.7 से 3.3 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। इसके साथ वर्षा भी कमोबेश प्रभावित होगी, इससे रबी के मौसम में गेहूं की उपज में 22 फीसदी की गिरावट आ सकती है तथा धान का उत्पादन भी 15 प्रतिशत तक कम हो सकता है। किसानों को पर्यावरण को बचानें के लिए अत्यधिक मात्रा में पौधा रोपण करना चाहिए। मौके पर किसानों को खेतों में पराली न जलाने की शपथ दिलाई गई।

BRIEF NEWS

जीवन संरक्षित रखना है तो पेड़-पौधों और जंगलों का बचाना पड़ेगा : डॉ दीपक

KHUNTI : विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर झारखंड कला सांस्कृतिक शोध संस्थान रंगमंडल एवं नाट्य अकादमी और बिरसा महाविद्यालय खूंटी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को बिरसा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की प्रोफेसर इंचार्ज जेरमेन कुल्लू किड़ो ने कहा कि पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हम सबों को सतत प्रयास करना चाहिए, जिसको लेकर हमारा महाविद्यालय लगातार प्रयासरत है। बच्चों को नए-नए कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रोत्साहित किया जाता है। संस्था के सचिव डॉ दीपक प्रसाद ने बिरसा महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया। उन्होंने कहा कि अगर जीवन संरक्षित रखना है तो पेड़, पौधे, जंगल बचाना ही पड़ेगा। जीवन बचाना है तो वृक्ष लगाना ही पड़ेगा। हमारे जीवन में वृक्षों का बहुमूल्य स्थान है। उन्होंने संस्था द्वारा 12 जून से 18 जून तक आयोजित होनेवाली नाट्य, नृत्य एवं चित्रकला सह प्रदर्शनी कार्यशाला की जानकारी दी। प्रतिभागी गूगल फॉर्म द्वारा अपना नामांकन अपनी रुचि की विधा में ले सकते हैं। इस सात दिवसीय नाट्य, नृत्य चित्रकला कार्यशाला में अलग-अलग विधा के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को एक सप्ताह तक विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी देंगे। नाट्य प्रशिक्षण देने के लिए वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अभिनेता, निर्देशक डॉ दीपक प्रसाद उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार चित्रकला एवं नृत्य के लिए भी अलग-अलग शिक्षा उपस्थित रहेंगे।

डालसा ने वन विभाग के सहयोग से किया पौधरोपण

KHUNTI : झालसा रांची के निर्देशन और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डालसा की ओर से सोमवार को शहर के हुटुबदाग में वन विभाग के सहयोग से 50 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। मौके पर डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने उपस्थित लोगों के बीच पर्यावरण संरक्षण में पेड-पौधों के महत्व और जल, वन, मृदा के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आनेवाली पीढ़ी के लिए हमें पर्यावरण को संरक्षित और संवर्धित करना है। चीफ एलएडीसी राजीव कमल ने बताया कि वर्ष 2023 के पर्यावरण एजेंडा में प्लास्टिक का प्रयोग समाप्त करना और पर्यावरण में निवेश करना है।

दुष्कर्म के आरोपियों को बीच चौराहे पर दी जाए फांसी : स्वामी शरण

GIRIDIH : बिरनी प्रखंड में नाबालिग छात्रा की दुष्कर्म के बाद की गई निर्मम हत्या कीघटना से मर्माहत राष्ट्र बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी सीताराम शरण ने आरोपित को सरेआम बीच चौराहे पर फांसी देने की मांग की है। सोमवार को बिरनी पहुंचे स्वामी शरण ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई हो और त्वरित गति से पीडित परिवार को न्याय मिले । उन्होंने कहा कि लगातार हिन्दू लड़कियों व महिलाओं को लक्षित कर ऐसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है यह कहीं न कहीं शासन ,प्रशासन की विफलता दशार्ती है। उन्होंने कहा कि आज घर से निकलने में महिलाएं डर रहीं हैं, खुद को असुरक्षित महसूस कर रहीं हैं कि कहां उनके साथ कौन सी घटना घट जाए। सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में विफल साबित हो रही है। स्वामी सीताराम शरण ने कहा कि सनातन समाज जिस जीवनशैली को अपना रहा है वह चिंतनीय है। किसी ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। अगर किसी ने हिम्मत की होती तो वह आज शायद हम सबों के बीच होती। राष्ट्र बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जिस तरह से हत्या हुई है व शर्मनाक है।

गिरिडीह में जमीन विवाद में चली गोली, जांच में जुटी पुलिस

GIRIDIH : गिरिडीह के पचम्बा थाना इलाके के खावागांव में दो परिवारों के जमीन विवाद को लेकर फायरिंग की घटना हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि रविवार देर रात लगभग तीन बजे जमीन विवाद को लेकर ही तीन चक्र गोली चलाई गई है। खावा निवासी सोमर मंडल और घनश्याम मंडल के बीच जमीन विवाद चल रहा है। इस विवाद को लेकर कई दफा पंचायत भी हुई । इस बीच सोमर मंडल जमीन पर बाउंड्री देने का काम कर रहा था। इस पर दूसरे पक्ष ने विरोध किया तो रविवार की शाम को काम रोक दिया गया । विवाद बढ़ने पर एक पक्ष ने रविवार की रात को फायरिंग की । सोमर मंडल का कहना है कि रात घनश्याम मंडल, खूबलाल मंडल, हुलास मंडल, विकास मंडल समेत 8-10 लोग आये। पहले दरवाजा खटखटाया फिर फायरिंग की। इस दौरान उसके भाई खेमन मंडल की पिटाई भी की। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस खोखा बरामद कर जांच में जुट गई हैं।इस बाबत सोमवार को पचम्बा थाना प्रभारी मुकेश दयाल सिंह ने कहा कि गोतिया के बीच जमीन का विवाद है। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग और मारपीट करने का आरोप लगाया है।

प्राकृतिक वातावरण को बचाए रखने के लिए वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए : बीडीओ

Mission Life (Life style for Environment)
विश्व पर्यावरण दिवस
बिरसा हरित ग्राम योजना में गड्ढा खुदाई कार्य

RAJRAPPA : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुंदरूकलां पंचायत में सोमवार को पर्यावरण बचाने का संकल्प लेते हुए पौधरोपण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामगढ़ बीडीओ रीना कुजूर व विशिष्ट अथिति मुखिया किशुनराम मुंडा, पंसस प्रियंका देवी, उप मुखिया मोहराय महतो ने पंचायत सचिवालय परिसर के चारों ओर दर्जनों फलदार पौधे लगते हुए पौधरोपण कर प्रकृति के संरक्षण की बात कही। मौके पर बीडीओ ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। प्राकृतिक वातावरण काफी शुद्ध व स्वच्छ है। इस प्राकृतिक वातावरण को बचाए रखने के लिए वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए। अगर समय रहते ही प्राकृतिक को नहीं बचाया गया तो आने वाले दिनों में पृथ्वी पर निवास करने वालो को जल एवं वायु संकट से जूझना पड़ेगा अतः प्राकृतिक को बचाने के लिए आम लोगों को प्राकृतिक की रक्षा करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। वही विशिष्ट अतिथि मुखिया किशुनराम मुंडा ने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषण से रोकना है तो पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर पेड़ पौधे हमें फल और छाया देते हैं, वहीं पेड़ पौधों से हमें विभिन्न प्रकार की औषधियां मिलती हैं। चाहे कोई भी दवा हो, कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वनस्पतियों से जुड़ी हुई होती है। पेड़ पौधे इस धरा के अनमोल आभूषण होते हैं। उनसे ही मनुष्य का जीवन आगे बढ़ता है। इनके अभाव में जीवन संभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि पेड़ पौधे अवश्य लगाएं। साथ ही उनकी रक्षा करें। इधर, रामगढ़ बीडीओ ने लोगों को पर्यावरण की रक्षा की शपथ दिलाई। मौके पर पंसस प्रियंका देवी, उप मुखिया मोहराय महतो, रोजगार सेवक विजय महतो, प्रदीप नायक, रूपा कुमारी, मधु प्रीति, शैलेंद्र यादव, अजीत यादव, संदीप प्रसाद, दिवाकर गुप्ता, सद्दाम अंसारी, सेविका नलिनी देवी, कुसुम देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

राशन डीलरों ने समाहरणालय सभागार में किया प्रदर्शन

- अनाज पर कमीशन 1 रुपये से बढ़कर 3 रुपये करने की रखी मांग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी की ओर से डीलरों ने अपने विभिन्न मांगो को लेकर समाहरणालय सभागार पर धरना-प्रदर्शन दिया। अपनी मांगों को लेकर डीलरों ने ज्ञापन सौंपा। मांग की गई कि जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के मृत्यु पर पूर्व की भांति अनुकंपा का लाभ देना होगा। जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को बकाया नवंबर 2021 से दिसंबर 2022 तक PMGKA कमीशन का भुगतान करना होगा। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत संचालित निशुल्क राशन वितरण का बकाया कमीशन मार्च 2023 से ज.वि.प्रणाली दुकानदारों को देना होग वि.प्र. दुकानदारों को 01(एक)रुपये प्रति किलो से बढाकर 03(तीन)रुपये प्रति किलो कमीशन करना होगा। ज.वि.प्र. दुकानदारों को 30000(तीस हजार) रुपये प्रति माह मानदेय देना होगा। ज.वि.प्र.दुकानों मे जब तक 4जी का व्यवस्था नहीं हो जाता तब तक इ-पॉस मशीन से वजन मशीन के केवल कनैक्ट को हटाना होगा। ज.वि.प्र. दुकानदारों को लाभुकों के बीच राशन वितरण के लिये ई-पॉस मशीन मे पूर्व की भांति 60 दिन (दो माह) का ऑप्शन देना होगा। ज.वि.प्रणाली के दुकानों मे ही वजन करके डीएसडी के माध्यम से राशन देना होगा।

नदियों ने उद्योग को बढ़ाया, अब उद्योग ही उनके अस्तित्व के लिए खतरा बन गये हैं : सरयू राय

खरकई व सुवर्णरेखा नदी की बदहाली के खिलाफ सरयू राय ने दिया सांकेतिक धरना प्रदर्शन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर से होकर गुजरने वाली स्वर्णरेखा और खरकई नदियां में लगातार बढ़ते प्रदूषण के स्तर के विरोध में सोमवार को विधायक सरयू राय ने पर्यावरण दिवस पर गांधी घाट में अपने समर्थकों के साथ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारी नदियों ने शहरों को विकसित करने के साथ ही उद्योग धंधों को बढ़ाया लेकिन आज यही उद्योग धंधे नदियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन गए हैं। जिस प्रकार से स्वर्णरेखा व खरकाई नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, वह हमारे लिए गंभीर चेतावनी है। अगर हम अभी नहीं संभले तो आने वाले दिनों में इन दोनों नदियों के अस्तित्व को हम खो देंगे। अगर नदियां ही नहीं रहेंगी तो मनुष्य का रहना भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम हर साल पर्यावरण दिवस मनाते हैं और उस दिन पर्यावरण को स्वच्छ रखने का प्रण लेते हैं लेकिन होता ठीक इसके उलट है। हर दिन हमारी नदियां प्रदूषित होती जा रही हैं। आज आलम यह है कि स्वर्णरेखा व खरकई नदी का पानी पीने योग्य नहीं है, इसके लिए जमशेदपुर शहर व यहां स्थापित उद्योग धंधे जिम्मेदार हैं। इसका दूषित पानी सीधे नदियों में प्रवाहित हो रहा है जिससे नदियां दूषित हो रही हैं।

राय ने कहा कि प्रशासन के साथ ही कंपनियों को इस प्रकार की व्यवस्था करना चाहिए कि नदियों में जाने से पहले प्रदूषित पानी को फिल्टर किया जाय और फिर उसे नदियों में छोड़ा जाए। यही एकमात्र तरीका है, जिससे हम इन दोनों नदियों के अस्तित्व को बचा सकते हैं। अगर यह दोनों नदियां बचेगी तभी जमशेदपुर बचेगा। उन्होंने दोनों नदियों के आस-पास हो रहे लगातार अतिक्रमण को भी नदियों के लिए खतरनाक बताया।

में दूषित पानी
प्रवाहित करना

गांधी घाट में सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करते सरयू राय व अन्य • फोटोन न्यूज

कागजों पर सिमटा है सीवरेज प्लांट की योजना : विधायक सरयू राय ने कहा कि हम कई वर्षों से सुन रहे हैं कि प्रशासन व टाटा स्टील सीवरेज प्लांट के लिए डीपीआर बना रहा है, लेकिन हम साल दर साल सिर्फ इस बात को सुनते ही आ रहे हैं।

जमीनी स्तर पर इस संबंध में कुछ नहीं हो रहा है। जबकि नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सीवरेज प्लांट का होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही कंपनी को भी अपने मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा दोनों नदियों को साफ रखने में खर्च करना चाहिए।

BRIEF NEWS

एचआईवी व एड्स के मरीजों ने पेंशन के लिए किया हंगामा

- भालुबासा स्थित विहान केयर सपोर्ट सेंटर में समय पर कार्यालय नहीं खुलने पर किया हंगामा

Jamshedpur: पेंशन के लिए सोमवार को एचआईवी व एड्स के मरीजों ने भालुबासा स्थित विहान केयर सपोर्ट सेंटर में जमकर हंगामा किया। सुबह लगभग 10.30 बजे दूर-दूर से मरीज पेंशन के लिए पहुंचे थे लेकिन कार्यालय बंद था। इसे देखते हुए कुछ देर तक मरीजों ने आफिस खुलने का इंतजार किया लेकिन जब कार्यालय 11 बजे तक नहीं खुला तो मरीजों में आक्रोश बढ़ने लगा और उनके द्वारा जमकर हंगामा किया गया। जमशेदपुर मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर पटमदा से भी एक रोगी पहुंचा था। उन्होंने बताया कि वे पेंशन के लिए बीते एक साल से दौड़ रहे हैं। अभी तक उनके द्वारा चार बार आवेदन किया जा चुका है लेकिन पेंशन मिलना शुरू नहीं हुआ। इसी तरह दर्जनों लोग शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे थे। नेटवर्क फायर पीपुल्स लिविंग एचआइवी/एड्स सोसाइटी के सचिव बीके शुक्ला ने बताया कि एचआईवी मरीजों की बढ़ती परेशानी चिंता का विषय है। इलाज से लेकर योजनाओं का लाभ मिलने में मरीजों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि 72 मरीजों ने पेंशन के लिए आवेदन किया है लेकिन उन्हें पेंशन नहीं मिल रहा है। ऐसे में ये मरीज कहां जाएं। विभाग को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। बीके शुक्ला ने कहा कि अगर जल्द ही इन मरीजों को पेंशन मिलना शुरू नहीं हुआ तो वे लोग पूरे राज्य में आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मालूम हो कि सरकार की ओर से एचआईवी मरीजों को प्रति माह एक हजार रुपये पेंशन दिया जाता है।

बेहतर इलाज के अभाव में सबर ने तोड़ा दम

एमजीएम में चल रहा था इलाज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: पटमदा के सुरदा बांसकटा गांव की रहनेवाली पंचमनी सबर (55) ने बेहतर इलाज के अभाव में सोमवार को एमजीएम अस्पताल में दम तोड़ दिया. पंचमनी के पति किस्टो सबर ने बताया कि पंचमनी को खून की कमी की शिकायत थी. आर्थिक तंगी के कारण वह पत्नी का इलाज नहीं करवा पा रहे थे. रविवार को उसकी हालत बिगड़ने पर एमजीएम अस्पताल में शाम 7 बजे भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान ही सोमवार को दिन के 12.30 बजे पंचमनी ने दम तोड़ दिया.

एक बोतल चढ़ाया था खून: किस्टो ने बताया कि पत्नी को रविवार को अस्पताल में एक बोतल खून और दो बोतल पानी चढ़ाया गया था. सोमवार को भी उसे खून चढ़ाने की जरूरत थी. इस बीच ही अचानक से पंचमनी ने दम तोड़ दिया. एमजीएम अस्पताल में किस्टो की बेटी जयंती सबर भी पहुंची हुई थी. जयंती ने बताया कि खेती से ही उनका घर परिवार चलता है.

घेरे हुये है आर्थिक तंगी: किस्टो सबर का कहना है कि वे आर्थिक तंगी से परेशान हैं. अगर घर में पैसा होता तो वे अपनी पत्नी का इलाज किसी निजी अस्पताल में करवाकर बचा लेते. वहीं सबर परिवार को जिला प्रशासन की ओर से मदद करने का प्रावधान भी है, लेकिन किसी तरह की मदद किस्टो को नहीं मिली है.

बंदूक दिखाकर COURIER कंपनी के कार्यालय से 32 हजार की लूट

मानगो उलीडीह थाना क्षेत्र के दिल्ली वेरी लिमिटेड कूरियर कंपनी का मामला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: शहर के उलीडीह थाना क्षेत्र के दिल्ली वेरी लिमिटेड कूरियर कंपनी के कार्यालय में घुसकर हथियार का भय दिखाकर 32 हजार रुपये और एक मोबाइल फोन लूट लेने का एक मामला सामने आया है. घटना 4 जून को दिन के 2.15 बजे की है. घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश हथियार लहराते हुये मौके से फरार होने में सफल रहे. सूचना मिलने के बाद पुलिस कंपनी में पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

हाफ पैंट पहने हुये था बदमाश: पुलिस ने जांच में पाया है कि दोनों बदमाश हाफ पैंट पहने हुये थे. इसमें से एक हेलमेट पहने हुये था और दूसरा मुंह पर रूमाल बांधे था. दोनों दिल्ली वेरी कुरीयर कंपनी के कार्यालय में हथियार लेकर घुसे थे और कैशियर अनुप कुमार शर्मा को भय दिखाकर 32 हजार रुपये लूट लिये.

जांच में बदमाशों के करीब पहुंची पुलिस: इधर घटना के बारे में पुलिस का कहना है कि बदमाशों का चेहरा सीसीटीवी कैमरा में आ गया है. उसके हिसाब से ही बदमाशों की तलाश की जा रही है. पुलिस को लग रहा है कि मामले का खुलासा जल्द ही कर दिया जायगा. घटना के संबंध में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ उलीडीह थाने में मामला दर्ज कराया गया है.

पिता को नाश्ता देने के बाद बेटी ने लगा लिया फांसी

पुलिस कर रही मामले की जांच

- शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा गया

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला पावड़ा गांव में सोमवार की सुबह एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के पहले किशोरी ने अपने पापा मानिक सीट को नाश्ता दिया था. इसके बाद पापा ड्यूटी पर चले गये थे. इस बीच ही उसने अपने कमरे में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद परिवार के लोग किशोरी को लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे थे. यहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है.

घर में नहीं हुआ था विवाद: घटना के बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि बेटी के साथ किसी तरह का विवाद घर में नहीं हुआ था. आखिर उसने ऐसा कदम कैसे उठा लिया यह बात उनके भी समझ में नहीं आ रही है.

घर पर अकेली थी किशोरी : घटना के बारे में पुलिस का कहना है कि घटना के समय किशोरी घर पर अकेली ही थी. पिता काम पर गये हुये थे. मां भी काम पर ही थी. भाई भी काम पर ही गया हुआ था. किशोरी की दादी घर पर थी, लेकिन वह भी पड़ोस के चापानल से पानी लाने के लिये गयी हुयी थी. लौटने पर उसने ही देखा कि पोती फंदे पर लटकी हुयी है.

JAMSHEDPUR CO-OPERATIVE LAW COLLEGE
JUSTICE TO ALL
WORLD ENVIRONMENT DAY
5th June

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में मना विश्व पर्यावरण दिवस, छात्रों ने लगाए पौधे, सुरक्षित रखने की ली शपथ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: सोमवार को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के तीनों सत्र के विद्यार्थियों और शिक्षको के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉलेज के कैंपस में 50 पौधा लगाया गया। इस दौरान सभी वचन लिया कि वे इन पौधों को सुरक्षित रखेंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ जितेंद्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण गया जरूरी है। ऐसे में हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ साल में एक बार जरूर लगाना चाहिए। मौके पर गेस्ट फैकेल्टी शिक्षक डॉ केके शुक्ला, डॉ अंजू , राजू भगत ,विनोद निधि और विद्यार्थियों की तरफ से अमर तिवारी, गौरी ओझा, जयशंकर, प्रेम, सपना, अभिषेक, विकास, एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे।

पर्यावरण दिवस पर एनसीसी कैंप में पहुंचीं DFO, कैडेट्स से की वार्ता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: 37 झारखंड बटालियन एनसीसी, जमशेदपुर के द्वारा 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-1 में जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के इस कैंप के दौरान सोमवार को WORLD ENVIRONMENT DAY के विशेष मौके पर जमशेदपुर की डीएफओ ममता प्रियदर्शनी को आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह एवं विभिन्न स्कूलों कॉलेजों के एनसीसी अधिकारी व PI स्टॉफ मौजूद थे। डीएफओ ने एनसीसी कैडेटों से रूबरू होकर काफी प्रसन्नता पूर्वक होकर सवाल जवाब किए। उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण के विभिन्न निवारण एवं बचाओ पर प्रकाश डाला जिससे हमारा वातावरण स्वस्थ और सुंदर बने रहे। समारोह के अंत में डीएफओ ममता प्रियदर्शनी, लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ अमर सिंह ने एनसीसी कैडेटों के साथ मिलकर पौधारोपण किया और वातावरण के संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ ली गई।

इस जागरूकता कार्यक्रम को लेकर 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा ने WORLD ENVIRONMENT DAY को लेकर जमशेदपुर के डीएफओ ममता प्रियदर्शनी एवं उनके सदस्यों को धन्यवाद एवं आभार जताया।

ADOPTED HEALTHY LIFESTYLES
10 HEALTHY HABITS TO ADOPT

पर्यावरण दिवस पर को-ऑपरेटिव कॉलेज में पौधारोपण करतीं डीएफओ ममता प्रियदर्शी व एनसीसी कैडेट • फोटोन न्यूज

स्पेशल ओलंपिक, वर्ल्ड गेम 2023 का बर्लिन में होगा आयोजन

साइकिलिंग के मुख्य कोच बने LBSM COLLEGE के नरेंद्र हांसदा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर में सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डा अशोक कुमार झा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी बरेलिया ने महाविद्यालय के संथाली विभाग सेमेस्टर तीन के छात्र नरेंद्र हांसदा को सम्मानित किया। इनका चयन मुख्य कोच साइकलिंग, स्पेशल ओलंपिक, वर्ल्ड गेम 2023 बर्लिन हेतु हुआ है।

मौके पर प्राचार्य ने कहा यह महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा इसके पूर्व महाविद्यालय के अर्जुन टूटू ने मैराथन जीतकर तीन लाख की राशि प्राप्त की है। महाविद्यालय खेल के क्षेत्र में उतरोतर विकास कर रहा है। वहीं डीईओ निर्मला कुमारी बरेलिया ने कहा कि यह इस संस्थान के लिए गर्व की बात है कि यहां का छात्र इतने बड़े आयोजन के लिए चुना गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक प्रो बिनोद कुमार, डा विनय कुमार गुप्ता, डा संचिता भुई सेन, संजीव मुर्मू, सुकरा हो आदि उपस्थित रहे।

बागबेड़ा में चिकनपाक्स का बढ़ा प्रकोप, लोगों को किया गया सतर्क

Jamshedpur: पूर्वी सिंहभूम जिले में चिकनपाक्स तेजी से फैल रहा है। अब बागबेड़ा में इसका प्रकोप बढ़ते जा रहा है, जिसे देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग ने उस क्षेत्र के लोगों को सतर्क किया है। जिला स्वास्थ्य विभाग को बागबेड़ा के सीपी, प्रधान व बाजार टोला में चिकनपाक्स फैलने की सुचना मिली थी। इसके बाद विभाग की टीम ने उस क्षेत्र में गई थी और संदिग्ध मरीजों का नमूना लेकर जांच के लिए एमजीएम मेडिकल कालेज भेजा गया था। सोमवार को आई रिपोर्ट में चिकनपाक्स की पुष्टि हुई है। इसे देखते हुए विभाग ने उस क्षेत्र के लोगों को सतर्क किया है और कम से कम घर से बाहर निकलने की हिदायत दी है। जिला महामारी रोग विशेषज्ञ डा. असद ने कहा कि चिकनपाक्स एक संक्रमित रोग है, जो तेजी से फैलता है। ऐसे में सभी मरीजों को अलग-अलग कमरे में रहने को कहा गया है।

वर्कर्स कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय समर कैंप में बोले प्रो. हरेंद्र-

शिक्षा ही एक मात्र अस्त्र है जिससे मनुष्य अपने बंधनों को काट सकता है

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: वर्कर्स कॉलेज में सात दिवसीय समर कैम्प के चौथे दिन सोमवार को दो सत्र आयोजित हुआ। पहले सत्र में सुबह नौ बजे , समर कैम्प प्रभारी हिंदी विभाग के प्रो. हरेन्द्र पंडित ने 'व्हाट नेक्स्ट' के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों को मैट्रिक से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई और उसके स्तर के विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बीएड, डीएलएड, प्रशासनिक सेवा, उच्च शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला । उन्होंने बताया कि शिक्षा ही एक मात्र अस्त्र है जिसके द्वारा मनुष्य अपने बंधनों को काट सकता है। समाज और परिवार से अलग, प्रत्येक व्यक्ति का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। प्रतिभागियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपने-अपने कैरियर के बारे में जानकारी हासिल की। दूसरे सत्र में कॉमर्स विभाग की डॉ. मोनीदीपा दास ने डांस वर्क शॉप के माध्यम से प्रतिभागियों को नृत्य की बारीकियाँ बताईं। समर कैम्प 8 जून तक चलेगा। इस समर कैम्प में लगभग साठ विद्यार्थी नियमित रूप से भाग ले रहे हैं।

भयावह होती रेल दुर्घटना

योगेश कुमार गोयल

उड़ीसा के बालासोर में 2 जून की शाम को हुए भीषण ट्रेन हादसे में करीब तीन सौ लोग मारे गए हैं और एक हजार से भी ज्यादा घायल हुए हैं। इस हादसे में कोलकाता से चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी और इसी बीच यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस वहां आ गई और कोरोमंडल से टकराकर पलट गई। इस टक्कर के बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हो गई, जिसमें ट्रेन का इंजन बोगी के ऊपर चढ़ गया। बालासोर के पास बाहानगा बाजार स्टेशन के नजदीक हुए हादसे में पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी और यह ट्रेन दूसरी तरफ से आ रही यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस से टकरा गई, जिसके बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतरे और उसी दौरान कोरोमंडल एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से जा टकराई। यह रेल हादसा कितना भयानक था, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि रेल की पटरी सीधे ट्रेन के फर्श को चीरते हुए अंदर घुस गई और बोगी के आरपार हो गई। भारत में आजादी के बाद हुए घातक ट्रेन हादसों में यह हादसा अत्यधिक भीषण हादसा है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दुर्घटनास्थल पर किसी का हाथ कटा पड़ा था तो किसी का पैर, किसी का सिर तो किसी का धड़। रेल सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण पूर्व सर्किल) एएम चौधरी को इस रेल दुर्घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि प्रारंभिक संकेतों के अनुसार इस दुर्घटना के पीछे मानवीय चूक मानी जा रही है। कहा जा रहा है कि देश में 16 महीने बाद कोई ऐसा रेल हादसा हुआ है, जिसमें लोगों की जान गई है। इससे पहले 14 जनवरी 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दोमोहानी के पास हुए हादसे में 9 लोगों की जान चली गई थी। तब बीकानेर से गुवाहाटी जा रही बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस की 12 बोगियां पटरी से उतर गई थी। हादसे के समय ट्रेन की गति कम थी अन्यथा रेल तंत्र की लापरवाही के कारण वह दुर्घटना बहुत बड़ी हो सकती थी। उस समय कहा गया था कि वह हादसा 34 महीने बाद हुआ था। हालांकि वास्तव में ऐसा है नहीं, रेल हादसे निरन्तर होते रहे हैं और लोग ऐसे हादसों की बलि चढ़ते रहे हैं। इसी साल 2 जनवरी को राजस्थान में पाली के नजदीक बांद्रा-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस के 13 डिब्बे बेपटरी हो गए थे, उस हादसे में 26 यात्री घायल हुए थे। 22 अप्रैल 2021 को लखनऊ-चण्डीगढ़ एक्सप्रेस ने बरेली-शाहजहांपुर के पास क्रॉसिंग पर कुछ वाहनों को टक्कर मार दी थी, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 3 फरवरी 2019 को जोगबनी से दिल्ली जा रही सीमांचल एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरने से सात से अधिक यात्रियों की मौत हुई थी। ऐसे हादसों में हर बार हताहतों की चीखें खोखले रेल तंत्र की कमियों को उजागर करते हुए समूचे रेल तंत्र को कटघरे में खड़ा करती रही हैं लेकिन उसके बावजूद रेल हादसों पर लगाम नहीं कसी जा रही। भारत का रेल तंत्र दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक उपक्रमों में से एक हैं, जिसे आमजन के लिए जीवनदायी माना जाता है। भले ही देश में हवाई मार्ग और सड़क मार्गों का कितना भी विस्तार हो जाए, फिर भी देश की बहुत बड़ी आबादी यातायात के मामले में रेल नेटवर्क पर ही निर्भर है। रेलों के जरिये प्रतिदिन न केवल करोड़ों लोग यात्रा करते हैं बल्कि यह माल ढुलाई का भी सबसे बड़ा साधन है। इसके बावजूद इस विशालकाय तंत्र को चुस्त-दुरुस्त और सुरक्षित बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता और प्रायः इसी कारण रेल हादसे होते रहे हैं। इतने विशाल तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए रेलवे को प्रतिवर्ष 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जरूरत होती है लेकिन विशेषज्ञ इसके आवंटन को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा रेल तंत्र को मजबूत करने और आधुनिक जामा पहनाने के उद्देश्य से रेल बजट का आम बजट में ही विलय कर दिया गया था लेकिन अभी तक उससे भी कुछ खास हासिल होता नहीं दिखा। प्रतिवर्ष बजट पेश करते समय रेल पटरियों के सुधार, सुरक्षा उपकरणों को पुख्ता करने तथा रेल यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के दावे किए जाते हैं। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि फिर भी रेल हादसों पर लगाम क्यों नहीं लग रही? एक तरफ हम देश में बुलेट ट्रेनें चलाने का दम भरते हैं लेकिन दूसरी ओर पहले से मौजूद विस्तृत रेल तंत्र की अव्यवस्थाओं को दूर करने में कोई विशेष दिलचस्पी नहीं दिखाते। बहरहाल बार-बार होते रेल हादसों की बहुत लंबी फेहरिस्त है लेकिन चिंता की बात यही है कि ऐसे हर हादसे की जांच के लिए एक समिति का गठन होता है और फिर अगले हादसे के इंतजार में उस हादसे को भुला दिया जाता है। अभी तक हुए ऐसे तमाम हादसों की जांच का क्या निष्कर्ष निकला, कोई नहीं जानता। लालफीताशाही के चलते हादसों के बाद की जांच समितियों की सिफारिशों को ईमानदारी से लागू नहीं किया जाता। जब तक ऐसे हादसों की जांच के बाद सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले असल दोषियों की पहचान कर उन्हें दंडित करने के लिए कड़े कदम नहीं उठाए जाते, ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति होती रहेगी और हम ऐसी दुर्घटनाओं पर इसी प्रकार केवल शोक व्यक्त करते हुए संवेदना प्रकट करते रहेंगे।

राहुल गांधी कभी पढ़ भी लेते मुस्लिम लीग का इतिहास

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

क्या भारतीय कांग्रेस या भारतीय समाजवादी पार्टी के नाम से कोई पार्टी पाकिस्तान में बन सकती थी? ऐसी ही एक गलती भारतीय जनता पार्टी के महा शक्तिशाली नेता और पूर्व अध्यक्ष और उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी ने भी की थी। वे जब पाकिस्तान के दौरे पर थे, जिन्ना की मजार पर चले गये। तब भी पूरे देश में, खासकर भाजपा के अन्दर कोहराम मचा था। हर भाजपाई आडवाणी की पद-प्रतिष्ठा की परवाह किये बिना उनकी आलोचना कर रहा था। स्थिति ऐसी हो गई कि भाजपा की केन्द्रीय कार्यसमिति ने निंदा का प्रस्ताव पास करने का निर्णय लिया। मैं भी भाजपा के 9 अशोक रोड पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में था जिस प्रेस कांफ्रेंस में यह सूचना दी जा रही थी। निंदा का प्रस्ताव स्व. अरुण जेटली जी ने ही बनाया था जो उन दिनों आडवाणी जी के प्रमुख सहायक थे। पूरा मंच ऐसे ही नेताओं से भरा पड़ा था जो सामान्यतः आडवाणी के धुर प्रशंसक थे। लेकिन, यही तो होता है लोकतांत्रिक पार्टी और कभी लोकतांत्रिक रही और अब परिवारवादी पार्टी बन चुकी पार्टी का फर्क।

राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग को सेक्युलर पार्टी होने का प्रमाणपत्र देकर एक बार फिर साबित कर दिया कि उनकी इतिहास की समझ एक स्कूली बच्चे से भी कमजोर है। जाहिर है कि अमेरिका यात्रा पर गये राहुल गांधी के बयान पर हंगामा खड़ा हो गया है। अब सभी कांग्रेसी राहुल गांधी का बचाव करने में भी लगे हैं। यह भारत में ही संभव है कि मोहम्मद अली जिन्ना की जिस ऑल इंडिया मुस्लिम लीग ने भारत को तोड़ा था, उससे मिलते-जुलते नाम से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) भारत विभाजन के कुछ माह बाद ही एक राजनीतिक पार्टी के रूप में सामने आई। इसका गठन 10 मार्च 1948 को हुआ। ये मुख्य रूप से केरल में ही सक्रिय रही है। कभी-कभी तमिलनाडु में भी चुनाव लड़ती रही है। क्या भारतीय कांग्रेस या भारतीय समाजवादी पार्टी के नाम से कोई पार्टी पाकिस्तान में बन सकती थी? ऐसी ही एक गलती भारतीय जनता पार्टी के महा शक्तिशाली नेता और पूर्व अध्यक्ष और उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी ने भी की थी। वे जब पाकिस्तान के दौरे पर थे, जिन्ना की मजार पर चले गये। तब भी पूरे देश में, खासकर भाजपा के अन्दर कोहराम मचा था। हर भाजपाई आडवाणी की पद-प्रतिष्ठा की परवाह किये बिना उनकी आलोचना कर रहा था। स्थिति ऐसी हो गई कि भाजपा की केन्द्रीय कार्यसमिति ने निंदा का प्रस्ताव पास करने का निर्णय लिया। मैं भी भाजपा के 9 अशोक रोड पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में था जिस प्रेस कांफ्रेंस में यह सूचना दी जा रही थी। निंदा का प्रस्ताव स्व. अरुण जेटली जी ने ही बनाया था जो उन दिनों आडवाणी जी के प्रमुख सहायक थे। पूरा मंच ऐसे ही नेताओं से भरा पड़ा था जो सामान्यतः आडवाणी के धुर प्रशंसक थे। लेकिन, यही तो होता है लोकतांत्रिक पार्टी और कभी लोकतांत्रिक रही और अब परिवारवादी पार्टी बन चुकी पार्टी का फर्क। अब जरा देख लीजिए कि जो पार्टी केरल में सक्रिय है वह मुसलमानों के लिए अंग्रेजी, अरबी और उर्दू शिक्षा की पक्षधर है। ये केरल के मुसलमानों के लिए समृद्ध भाषा मलयालम या राष्ट्र भाषा हिंदी के महत्व को कतई महत्व नहीं देती। केरल के मुसलमानों को यह उर्दू की शिक्षा ग्रहण करने को लेकर क्यों दुबली हो रही है, यह समझ से परे है। शायद राहुल जी को पता होगा क्योंकि वे वहां से संसद रह चुके हैं। यह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली चाहती है। इसका लक्ष्य भारत को हिन्दू राष्ट्र बनने से रोकना और भारत को धर्मनिरपेक्ष बनाये रखना भी है। यहीं पर इसकी पोल खुलती है। ये भारत को तो धर्मनिरपेक्ष रखना चाहती है पर दूसरी तरफ मुसलमानों से इस्लाम के अनुसार जीवन जीने की अपेक्षा रखती है। यानी इसका कहना है मुसलमान भारत के संविधान और कानून की जगह इस्लाम की जो व्याख्या मुल्ला करते हैं उसे ही मानें। यह है इसका दोहरा मापदंड। राहुल गांधी के साथ खड़े तथाकथित सेक्युलरवादी यह भी जान लें कि ऑल इंडिया मुस्लिम लीग भी 1906 में अपनी ढाका में स्थापना के समय पृथक राष्ट्र की मांग नहीं कर रही थी। लेकिन, आगे चलकर उसने अलग पाकिस्तान की मांग चालू कर दी और भीषण नरसंहार के बाद एक तरह से दबाव में उसकी मांग मानी भी गई। भारत के यही सेक्युलरवादी, जिन्ना जैसे घोर सांप्रदायिक इंसान को बेशर्मी से सेक्युलर तक बता देते हैं। दरअसल ये जिन्ना के 11 अगस्त, 1947 को दिए भाषण का हवाला देकर उन्हें (जिन्ना) सेक्युलर साबित करते हैं। अंग्रेजी में दिए उस भाषण में जिन्ना कहते हैं पाकिस्तान में अब सभी को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता होगी। अब हिन्दू मंदिर में पूजा करने के लिए स्वतंत्र है, मुसलमान अपने इबादतगाहों में जाने को आजाद हैं। लगता है, इन्होंने जिन्ना के 11 अगस्त, 1947 के भाषण से पहले दिए किसी भाषण को जाना ही नहीं। जिन्ना का 23 मार्च, 1940 को दिया भाषण उनकी घनघोर सांप्रदायिक सोच और व्यक्तित्व को रेखांकित करता है। उस दिन ऑल इंडिया मुस्लिम लीग ने पृथक मुस्लिम राष्ट्र की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। जिसे 'पाकिस्तान प्रस्ताव' के नाम से जाना जाता है। इसमें कहा गया था कि ऑल इंडिया मुस्लिम लीग भारत के मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र का ख्वाब देखती है। वह इसे पूरा करके ही रहेगी। प्रस्ताव के पारित होने से पहले मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने दो घंटे लंबे बेहद आक्रामक भाषण में हिन्दुओं को कसकर कोसा था। कहा था- हिन्दू-मुसलमान दो अलग धर्म हैं। दो अलग विचार हैं। दोनों की परम्पराएं और इतिहास अलग हैं। दोनों के नायक अलग हैं। इसलिए दोनों कतई एक साथ नहीं रह सकते। वाशिंगटन डीसी में जब राहुल गांधी से पूछा गया कि आप हिन्दू पार्टी बीजेपी का विरोध करते हुए लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं, जबकि केरल में कांग्रेस का मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ गठबंधन रहा है, जहां से आप सांसद रहे हैं, तब इस पर वे कहने लगे, "मुस्लिम लीग पूरी तरह से सेक्युलर पार्टी है। मुस्लिम लीग में कुछ भी नॉन-सेक्युलर नहीं है।" राहुल गांधी भूल गए हैं या उन्हें पता ही नहीं है कि आईयूएमएल को उन पाकिस्तान सिद्धांत समर्थक लोगों ने ही स्थापित किया था जो 1947 में पाकिस्तान नहीं गये। उन्होंने ही विभाजन के बाद यहां मुस्लिम लीग का गठन किया और सांसद और विधायक बने। ये पार्टी शरिया कानून की वकालत करती है, मुसलमानों के लिए अलग सीटें आरक्षित करना चाहती है। राहुल गांधी की टिप्पणी पर गहराई से अध्ययन करने की जरूरत नहीं है। यह अपेक्षित ही है कि कांग्रेस के नेता मुस्लिम ब्रदरहुड और मुस्लिम लीग जैसे संगठनों के पक्ष में बोलें क्योंकि अमेठी से हारने के बाद उन्हें मुस्लिम बहुल सीट वायनाड से चुनाव लड़ना है। दरअसल राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), मुस्लिम लीग और एक मुस्लिम धर्मगुरु की ओर से गठित पश्चिम बंगाल की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट जैसी पार्टियां धर्मनिरपेक्ष हैं और प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पीएफआई एक 'सांस्कृतिक' संस्था है। राहुल गांधी का दावा उनकी बुद्धिमत्ता पर सवालिया निशान खड़ा करता है। आप जानते ही हैं कि हमारे यहां सेक्युलर वादी गैंग किसी को भी सांप्रदायिक पार्टी या व्यक्ति को देश भक्त कह देता है। उन्हें देश के सामान्य इतिहास की भी समझ नहीं है। अगर होती तो वे मुस्लिम लीग को कभी सेक्युलर पार्टी का तमगा नहीं देते। अगर आप आईयूएमएल की वेबसाइट को देखें तो उसमें एक जगह लालकिला का चित्र है। उसके साथ ही कहा गया है कि लालकिला, ताजमहल और कुतुब मीनार भारत में इस्लामिक संस्कृति के मील के पत्थर हैं। बेहतर होता कि यहां पर ये भी स्वीकार कर लिया जाता कि कुतुब मीनार के निर्माण के वक्त अनेक हिन्दू और जैन मंदिरों को तोड़ा गया था। उनके अवशेषों को मिलाकर ही कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश ने कुतुब मीनार का निर्माण करवाया था। मशहूर पुरातत्वविद केके मुहम्मद ने एक बार कहा था कि कुतुब मीनार कैंपस में बनी कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद 27 मंदिरों को तोड़कर बनी थी। इसे दिल्ली की पहली मस्जिद माना जाता है। बेशक, कुतुब मीनार परिसर में हिन्दू मंदिरों के चिह्न मिलते हैं और इन्हें छुपाने की या ढंकने की कोई कोशिश भी नहीं की गई है। मस्जिद के खंभों पर अनेक देवी-देवता, यक्ष-यक्षिणियाँ की प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं। खैर, याद रख लें कि भारत में जिन्ना के चाहने वाले बीच- बीच में नजर आते ही रहेंगे। देश के जागरूक नवयुवकों को इनसे सावधान भी रहना होगा और इनका डटकर मुकाबला भी करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

भारत के स्थायित्व की कहानी, संस्थानों और कार्यों से जुड़ी है

सतत विकास के लिए नीतियों की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए लोगों की भी आवश्यकता होती है। जब तक हम ऊर्जा स्रोतों में बदलाव और सतत विकास को लोगों के करीब नहीं लायेंगे, तब तक हम पर्यावरण-अनुकूल और जनहितैषी प्रभाव तथा कार्यक्रमों के सतत संचालन से जुड़ी सामुदायिक कार्रवाई के लिए आवश्यक कठोर निर्णयों के प्रति दीर्घकालिक सामाजिक समर्थन प्राप्त नहीं कर सकते। यही कारण है कि, जब भारत के सतत विकास से जुड़ी पहल की बात आती है, तो शब्दों से अधिक कार्यवाही में ही स्पष्टता दिखती है। सतत विकास केवल पर्यावरणीय चिंता नहीं है; यह वह दृष्टिकोण है, जिसके माध्यम से आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन भी हमारे सामने आता है। छोटे किसानों पर विचार करें। भारत फलों और सब्जियों के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन इस उत्पादन का एक अनुमान के मुताबिक 5-16 प्रतिशत सालाना बर्बाद हो जाता है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा से परिचालित आजीविका उत्पादों के साथ, बदलाव के उदाहरण जमीन पर स्पष्ट होने लगे हैं। आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव मुसलरेड्डीगरीपल्ली में महिलाओं के समूह बैंगन, टमाटर, करेला और केले को बर्बाद होने से बचाने के लिए, सौर ऊर्जा संचालित ड्रायर में सुखाकर हर महीने लगभग 3.5 लाख रुपये अर्जित कर रहे हैं। जब सबसे कमजोर और वंचित समुदाय अपने जीवन और आजीविका, नए बाजार तथा व्यवसायों से संबंधित अवसरों को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थायी समाधानों को प्रदर्शित करने में सक्षम होते हैं, तो इसे राष्ट्रीय नीति रूपरेखा में शामिल किया जाता है। भारत अब आजीविका के लिए नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी नीति बनाने वाला पहला देश है। इस तरह के कार्यों के माध्यम से, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से, सतत विकास के लिए भारतीयों की दृष्टि में बदलाव हुए हैं। इसके तीन घटक हैं, जो वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों के लिए एक हरित और समावेशी अर्थव्यवस्था की रूपरेखा के रूप में कार्य कर सकते हैं। पहला, विकास को नागरिक केंद्रित बनाना। चाहे वह सौभाग्य योजना हो, जिसने लगभग 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण सुनिश्चित किया है, या उज्ज्वला योजना हो, जिसके तहत स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 9.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, या स्मार्ट मीटर की शुरूआत हो, जो वास्तव में लोगों के हाथों में ही बिजली-आपूर्ति के संचालन की सुविधा देता है। भारत ऊर्जा-स्रोतों में बदलाव को एक घरेलू कार्य बना रहा है। उजाला योजना, जिसका उद्देश्य एलईडी प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण करना है, सालाना लगभग 3.9 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को बचाने का प्रबंधन कर रही है। इसके साथ, जल जीवन मिशन ने 8 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की सुविधा दी है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत प्रगति हो रही है, जिसके अंतर्गत 2026 तक चुनिंदा शहरों में अति सूक्ष्म कण वायु प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन आदि ऐसे उदाहरण हैं, जो दिखाते हैं कि कैसे सतत विकास से जुड़े बड़े पैमाने के कार्यक्रम भी लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। जब हम इस तरह के नागरिक-केंद्रित पहल का विस्तार करते हैं, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि घरों से वास्तविक समय पर और उच्च गुणवत्ता युक्त डेटा प्रवाह को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है एवं तकनीकें और संबंधित योजनायें जमीन पर काम कर रहीं हैं। ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में, शासन के सभी स्तरों के अधिकारियों को लोगों से समय-समय पर प्रतिक्रिया लेने की आवश्यकता है। दूसरा, अर्थव्यवस्था-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से सतत विकास को बड़े पैमाने पर गति देना। 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन तक पहुँचने के लिए, भारत की ऊर्जा प्रणाली और आर्थिक संरचना दोनों को बदलने की आवश्यकता है। यह पहल, यहां कई मोर्चों पर आगे बढ़ रही है। देश में अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नवीकरणीय और सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता है। सीईईडब्ल्यू, एनआरडीसी और एससीजीजे के विश्लेषण के अनुसार, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र 2030 तक 10 लाख लोगों को रोजगार देगा। भविष्य के इस कार्य बल को प्रशिक्षित करने के लिए, स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स कर्मचारियों को हरित व्यवसायों और सेवाओं के लिए प्रशिक्षण दे रही है। ग्रामीण भारत भी इस बदलाव से अछूता नहीं है। वितरित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादों के पास 4 लाख करोड़ रुपये का बाजार अवसर है और ये जमीनी स्तर पर महिलाओं को सीधे सशक्त बना रहे हैं। इसी तरह, पीएम-कुसुम योजना, जिसके तहत अक्टूबर 2022 तक 1.5 लाख सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा परिचालित बनाया गया है, का उद्देश्य किसानों के सिंचाई बिलों को कम करते हुए उनकी आय में वृद्धि करना है। जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन से दूर जा रही है, हम भविष्य के ईंधन, विशेष रूप से हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भी बड़े कदम उठा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ, भारत विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता से समझौता किए बिना, उर्वरक और इस्पात जैसे भारी उद्योगों को कार्बन-उत्सर्जन मुक्त बनाने के लिए हरित हाइड्रोजन का उपयोग कर सकता है। ये वास्तव में भारत की शहरी और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बड़े कदम हैं। हालांकि, उनकी वास्तविक क्षमता के उपयोग के लिए इन कदमों की बड़े पैमाने पर विस्तार करने की आवश्यकता है, जिनमें शामिल हैं - विनिर्माण के क्षेत्र में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (विशेष रूप से केवल स्वच्छ तकनीकी उत्पादों की जोड़ने के बजाय उच्च मूल्यवर्धन पर ध्यान केंद्रित करना), पूंजी सहायता में वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण और खरीदारों के लिए प्रोत्साहन (फेम जैसी योजना, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है) आदि।

Social Media Corner

सच के हक में...

सुलोचनाजींच्या निधनामुळे भारतीय चित्रपट विश्वात एक मोठी पोकळी निर्माण झाली आहे। त्यांच्या अविस्मरणीय भूमिकांमुळे आपली संस्कृती समृद्ध झाली आहे आणि रसिकांच्या अनेक पिढ्यांनी त्यांच्यावर प्रेम केले आहे। त्यांच्या भूमिकांमधून त्यांचा चित्रपटविषयक वारसा कायम राहील। त्यांच्या कुटुंबियांप्रति शोकसंवेदना। ओम शांती।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

सदियों से आदिवासी जीवन मूल्यों का केंद्र रहा है प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण। इन्हीं मूल्यों को आत्मसात कर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुंदर और स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

कोलकाता जैसे महानगर में जमीन कट्ठा और डिसमिल के हिसाब से मिल सकता है लेकिन हमारे झारखंड राज्य के बाबा नगरी देवघर में माफि याओं/दलालों की महिमा से जमीन की खरीद-बिक्री के लिये प्रति स्कावयर फीट के हिसाब से रेट तय होता है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

अन्न-धन की रक्षा

सीमित भौगोलिक क्षेत्र और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आने वाले समय के लिये अनाज के एक-एक दाने की रक्षा करनी होगी। वह भी ऐसे में जब किसान का खेती से मोहभंग हो रहा है। वहीं दूसरी ओर जब विकास कार्यों तथा आवासीय-कारोबारी निर्माण के लिये बड़े पैमाने पर कृषि भूमि का उपयोग हो रहा है, भंडारण क्षमता बढ़ाना जरूरी हो जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित हुई खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के चलते दुनिया के तमाम देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मौसम के मिजाज में आये अप्रत्याशित बदलाव से अनाज की गुणवत्ता और मात्रा पर असर होने लगा है। किसी संप्रभु राष्ट्र के लिये खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता अपरिहार्य ही है। ऐसे में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा बुधवार को लिये गये उस फैसले की सराहना की जानी चाहिए, जिसमें सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को मंजूरी दी गई है। जिसके अंतर्गत अन्नदाता के उत्पादों को बचाने के लिये ब्लॉक स्तर पर पांच सौ से दो हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम बनाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही योजना के क्रियान्वयन के लिये अंतर मंत्रालयी समिति के गठन को भी हरी झंडी मिली है। निश्चय ही यह देर से उठाया गया दुरुस्त कदम है। निश्चय ही देश में मौजूदा 1450 लाख टन की भंडारण क्षमता को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। यही वजह है कि अगले पांच सालों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत दुनिया के सर्वाधिक अन्न उत्पादक देशों में गिना जाता है, लेकिन उसकी भंडारण क्षमता अन्य विकसित देशों के मुकाबले बेहद कम रही है। जिससे किसान को फसल तैयार होने के तुरंत बाद मंडियों में अनाज बेचने जाना पड़ता है। भंडारण क्षमता न होने के कारण किसान को औने-पौने दामों में अपने उत्पाद बेचने पड़ते हैं। यही वजह है कि भरपूर फसल उत्पादन के बावजूद उसे घाटा उठाना पड़ता है क्योंकि आपूर्ति बढ़ने से उत्पादों के दाम गिर जाते हैं। वैसे शुरुआत में सहकारिता मंत्रालय देश के केंद्र शासित प्रदेशों व राज्यों के दस जिलों में इसकी पायलट योजना शुरू करेगा। जिससे हासिल अनुभव का लाभ शेष देश को दिया जा सकेगा, साथ ही योजना की खामियों को दूर किया जा सकेगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर मंत्रालयी समिति योजना के क्रियान्वयन की देखरेख करेगी। निश्चित रूप से इस योजना के क्रियान्वयन से हर साल बर्बाद होने वाला लाखों टन अनाज बचाया जा सकेगा। वह अनाज भी, जो आंधी, तूफान व बारिश में मंडियों में बर्बाद होता रहा है। यदि किसान अनाज को गोदामों में रोकने की स्थिति में होगा तो वह बाजार की जरूरत के हिसाब से ऊंचे दामों में अपने उत्पाद बेच सकेगा। इतना ही नहीं, किसान गोदाम में रखे उत्पाद के मूल्य के सत्तर फीसदी के बराबर कर्ज लेकर अगली फसल की तैयारी भी कर सकेगा। विडंबना ही है कि इस लाभकारी योजना को नीति-नियंताओं की अदूरदर्शिता के चलते आजादी के सात दशक बाद क्रियान्वित किया जा रहा है। जरूरी है कि देश की अन्न भंडारण क्षमता उत्पादन से अधिक होनी चाहिए। कोरोना काल के सबक हमें याद रखने चाहिए कि इसके बाद के वर्षों में लगातार अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज तभी दिया जा सका क्योंकि हमारे देश में अनाज का पर्याप्त बफर स्टॉक था। ऐसी महामारियां भविष्य में आ सकती हैं, जिससे मुकाबले के लिये पर्याप्त अनाज भंडारण अनिवार्य है। निश्चित रूप से अब तक कुल उत्पादन की 47 फीसदी भंडारण क्षमता में इस योजना से पर्याप्त वृद्धि की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि इसके क्रियान्वयन के लिये कृषि और किसान कल्याण, उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योग मंत्रालयों की विभिन्न योजनाओं को मिलाकर इस योजना को मूर्त रूप दिया गया है।

रेलवे के लिए सबक

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बेहद दुखद और शर्मनाक हादसा दर्ज हो गया। ओडिशा के बालासोर जिले में स्थित बहानागा बाजार स्टेशन एक बहुत अविश्वसनीय हादसे का गवाह बन गया। इस हादसे को समझने में ही लगभग एक दिन का समय लग गया और जो गलती हुई है, उसका आकार-प्रकार तय करने में पता नहीं कितना समय लगेगा? केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को यह बताया कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुई है। रविवार सुबह तक 290 लोगों की मौत हुई है और करीब 1,000 लोग घायल हैं। रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने मामले की जांच की है और घटना की वजहों के साथ-साथ इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान भी कर ली गई है। आमतौर पर रेलवे सामूहिक जिम्मेदारी के तहत दोषी या जिम्मेदार व्यक्ति के नाम उजागर करने से बचता है, पर अब यह परिपाटी बदलनी चाहिए। रेलवे ही नहीं, हर विभाग में जो गैर-जिम्मेदार लोग हैं, उन्हें चिह्नित करना चाहिए। बदलते दौर में सरकारों की जिम्मेदारी है कि किसी भी तरह की सेवा में नाकारा लोगों को बर्दाश्त न किया जाए। साल 1995 के बाद यह सबसे घातक रेल दुर्घटना है और इससे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। पहले भी सुधार के अवसरों को हमने गंवाया है, पर अब सुधार से मुंह चुराने की रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं है। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला भारत और उसका जरूरत से ज्यादा दबाव झेलता रेल ढांचा छटांक भर लापरवाही भी नहीं बर्दाश्त कर सकता। प्रधानमंत्री का दुर्घटनास्थल पर जाना और वहां रेल मंत्री का लगातार बचाव कार्य में जुटे रहना बेहतर संकेत है। सेवा के मामले में दिखावे का दौर अब पीछे छूट जाना चाहिए और हर सेवा को चाक-चौबंद करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जून में पहली बार खेला जाएगा ओवल में कोई टेस्ट

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीतने की संभावना अधिक

लंदन । (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच इंग्लैंड के ओवल मैदान में होगा। यह पहली बार है जब जून में इस मैदान में कोई टेस्ट खेला जा रहा है। अभी तक इस मैदान पर कुल 104 टेस्ट हुए हैं। इसमें जुलाई में 8 टेस्ट मैच हुए हैं। जिसमें से आधे मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। ऐसे में इस मैच में टॉस सबसे अहम रहेगा क्योंकि यहां शुरुआत में बल्लेबाजी करना आसान समझा जाता है। पिछले रिकार्ड को देखें तो 8 में से 4 मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को यहां जीत मिली है। वहीं दो मैच में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है जबकि 2 मैच बराबरी पर रहे हैं।

भारतीय टीम ने यहां एक टेस्ट जुलाई में खेला था और वह मुकाबला ड्रॉ रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर अब तक कोई टेस्ट जुलाई में नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैदान पर खेले 38 में से 7 टेस्ट जीते हैं। 17 में उसे हार मिली है, जबकि 14 टेस्ट ड्रॉ रहे। वहीं भारतीय टीम ने ओवल में 14 टेस्ट खेले हैं और उसे 2 मैच में जीत मिली है जबकि 5 मुकाबले में हार व 7 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पलड़ा यहां भारी नजर आता है।

वहीं इस मौसम में सिर्फ चौथे दिन 60 फीसदी बारिश होने के अनुमान है। वहीं बचे हुए दिन मौसम साफ रहेगा। आईसीसी ने फाइनल के लिए छठा रिजर्व रखा है। ऐसे में बारिश के कारण कुछ ओवर नहीं हो पाते हैं, तो छठे दिन मैच पूरा होगा। वहीं साल 2021 में भी पहले सत्र के फाइनल का परिणाम भी छठे दिन ही निकला था। आईसीसी के नियम के अनुसार, यदि बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाता है या मुकाबला ड्रॉ रहता है तो दोनों ही टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप: भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। काकामिगाहारा। भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2 . 1 से हराया। भारत के लिये मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया। मलेशिया के लिये डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाये हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरूआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिये गोल कर दिया।

मलेशिया की बढत हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिये बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत का सामना मंगलवार को तीसरे पूल मैच में कोरिया से होगा।

ब्रेंडन किंग के शतक से वेस्टइंडीज ने यूएई को सात विकेट से हराया

शारजाह। (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग के पहले शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यूएई को सात विकेट से हरा दिया। किंग ने 112 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली जबकि शामरा ब्रूक्स ने 44 रन बनाए जिससे टीम ने 88 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। नए कप्तान शाई होप (नाबाद 13) ने छक्का जड़कर 35.2 ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 206 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इससे पहले यूएई की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज कीमो पॉल ने 34 रन पर तीन विकेट चटकाए।

मेजबान टीम ने लिए 19 साल के अली नसीर पदार्पण करते हुए 52 गेंद में 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वी अरविंद ने भी 77 गेंद में 40 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से यानिक कारिया ने 26, डोमीनिक ड्रेक्स ने 29 और ओडियन स्मिथ ने 40 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। तीन मैचों की यह श्रृंखला अगले महीने जिंबाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारी कर रही दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

इंग्लैंड की पिच पर कड़ी मेहनत करना है जरुरी, डब्ल्यूटीसी 2023 से पहले आया रोहित शर्मा का बयान

लंदन (एजेंसी)। लंदन। भारतीय टीम को सात जून से इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। इस भिड़ंत से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड की पिच ऐसी है जहां कड़ी मेहनत करने के अलावा बल्लेबाजों के पास अन्य विकल्प नहीं होता है।

गौरतलब है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में 'द ओवल' में बनाया था। रोहित शर्मा का कहना है कि इंग्लैंड में ऐसी परिस्थितियां होती हैं जहां बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स' में अपनी बात रखी।

रोहित शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा तभी सफलता की सीढ़ी चढ़ी जा सकती है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। हालांकि इस मैदान पर अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। विराट कोहली का इस मैदान पर औसत 30 का भी नहीं है, जबकि पुजारा ने इस मैदान पर 20 की औसत से भी कम में रन बनाए है। ऐसे में रोहित शर्मा की चिंता का विषय सही लगता है।

पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है। आपको लंबे समय तक ध्यान लगाये रखना होता है और फिर आपको पता चल जाता है कि अब गेंदबाजों को धुनने का समय आ गया है। सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपको क्रीज पर जाकर समझना होता है कि आपकी मजबूती क्या है।''

मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के साथ इतने वर्षों में वह आंकड़ों और डाटा पर काफी ध्यान देते हैं। रोहित को लगता है कि 'द ओवल' में सफलता हासिल करने वाले पूर्व खिलाड़ियों के स्कोर बनाने के 'पैटर्न' को जानना बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनका (सफल खिलाड़ियों) अनुकरण करने की कोशिश नहीं करूंगा लेकिन उनके रन बनाने के 'पैटर्न' को जानना अच्छा होगा। मैंने पाया कि ओवल में स्क्वायर बाउंड्री काफी तेज लगती हैं।''

पिछले एक दशक से एक से दूसरे प्रारूप में खेलने के लिए खुद को ढालने वाले रोहित जानते हैं कि यह मुश्किल होता है लेकिन वह इस चुनौती और जरूरत के अनुसार अपनी तकनीक में बदलाव करने की खुद की काबिलियत का आनंद लेते हैं। रोहित ने कहा, ''प्रारूप बदलना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कारक है। आप कई प्रारूपों में खेलते हो। मानसिक रूप से आपको बदलने के अनुकूलित होना चाहिए और अपनी तकनीक में फेरबदल करना चाहिए। आपको मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

टेस्ट ड्रॉ रहा तो दोनो ही टीमें होंगी संयुक्त विजेता

लंदन ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से लंदन के ओवल क्रिकेट मैदान पर होने वाले मैच को लेकर सभी उत्साहित हैं।दोनो ही टीमों इस मुकाबले के लिए अभ्यास में लगी हैं।भारतीय टीम दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार।इस मैच को लेकर कुछ आशंकाएं भी प्रशंसकों के मन में हैं।वो ये कि अगर बारिश या किसी अन्य कारण से इस मैच का परिणाम नहीं निकलता तो किस टीम को विजेता माना जाएगा।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला अगर किसी भी वजह से ड्रॉ हो जाता है तो आईसीसी के नियम के अनुसार भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनो को ही संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा हालांकि कोई भी टीम ऐसा नहीं चाहेगी कि वह ट्रॉफी शेयर करें।ऐसे में दोनों की कोशिश यही रहेगी कि वह हर हाल में जीत हासिल कर विजेता बने।दोनो ही टीमों के खिलाड़ी अभी अभ्यास में लगे हैं। भारतीय टीम के सामने एक बड़ी चुनौती ये होगी कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में वह किस तरह के संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है। पिछली बार जब टीम इंडिया दो स्पिन गेंदबाज के साथ मैदान पर उतरी थी पर उसकी ये योजना विफल रही थी।ऐसे में भारतीय टीम पिछले बार की गलती नहीं दोहराना चाहेगी।तब 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्लयूटीसी फाइनल मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।वैसे भी इंग्लैंड के मैदानों में उछल भर पिच पर तेज गेंदबाजी अधिक हावी रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों से फायदा होगा : लाबुशेन

लंकाशर ।ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हुए हैं।लाबुशेन को उम्मीद है कि उन्हें इस मैच में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों का लाभ मिलेगा।लाबुशेन पिछले काफी दिनों से यहां ग्लैमोर्गन की ओर से कांउटी क्रिकेट खेल रहे हैं। लाबुशेन को काउंट के कारण इंग्लैंड के माहौल में ढलने में भी सहायता मिली है।उन्होंने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के साथ ही आठ पारियों में दो शतकों की मदद से 504 रन बनाए और उन्हें उम्मीद है कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में इस सिलसिले को बनाये रखेंगे।लाबुशेन ने कहा, मैं यहां काउंटी क्रिकेट में पिछले पांच सालों से आ रहा हूं।अब यह मेरी आदत का हिस्सा बन गया है।मुझे यहां आना और काउंटी क्रिकेट खेलना पसंद है।मुझे ग्लैमोर्गन की टीम पसंद है। उन्होंने कहा, मैं यहां खेलने का बहुत आनंद लेता हूं इसलिए बार-बार यहां आता हूं।यह मेरे लिए अच्छा है कि इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज भी है।उस सीरीज में बढ़ते हुए यह अनुभव मेरे लिए लाभप्रद रहेंगे।लाबुशेन ने कहा, जो कोई भी ऑस्ट्रेलिया के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेगा तो उसके ऊपर जिम्मेदारी होगी ही।मैं जब 2019 में एशेज, टेस्ट सीरीज के लिए यहां आया था जो रन बनाना मेरी जिम्मेदारी थी। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वे मेरी जगह किसी और को रख लेते।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगा कि अब कुछ भी बदला है।हमें रन बनाने की और ज्यादा से ज्यादा मैचों में टीम की जीत में योगदान देने के तरीके अपनाने होंगे।

दिग्गज फुटबॉलर इब्राहिमोविच ने लिया खेल से सन्यास, फैंस हुए बेहद हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सफलतम कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी ने वर्ष 2021 में अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया था और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने का ऐलान किया था। महेंद्र सिंह धोनी द्वारा अचानक सन्यास लिए जाने के फैसले से उनके फैंस काफी हैरान हुए थे।

इसके बाद उन्हें ना ही कोई फेयरवेल मैच के जरिए विदाई दी गई और ना ही फैंस उन्हें ट्रीब्यूट दे सके। ऐसा ही कुछ स्वीडन के स्टार फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच ने भी किया है। उन्होंने फुटबॉल से अचानक ही सन्यास लिए जाने की घोषणा कर दी है। फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच के इस ऐलान के बाद उनके फैंस काफी हैरान और हतप्रभ हो गए है।

दरअसल रविवार को सान सिरो में उन्होंने अचानक ही मैदान पर पहुंचकर फैंस की मौजूदगी में लाइव अपने सन्यास का ऐलान किया है। एसी मिलान के अनुभवी फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच ने तुरंत प्रभाव से फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है। इब्राहिमोविच का मौजूदा सत्र के बाद सिरी ए क्लब एसी मिलान के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा था।

मिलान की टीम पहले ही कह चुकी थी कि हेलास वेरोना के खिलाफ मैच के बाद स्वीडन के 41 साल के इब्राहमोविच को विदाई देने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। इब्राहिमोविच ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया कि उनके संन्यास लेने की खबर की किसी को जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि मेरे परिवार को भी नहीं पता था क्योंकि मैं चाहता था कि जब मैं घोषणा करूं तो सभी इसे एक साथ सुनें।'' सेन सिरो में मैच के बाद जब वह मैदान से बाहर निकल रहे थे तो टीम के उनके साथियों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

नहीं रुके खिलाड़ी के आंसू

इब्राहिमोविच अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे और उन्होंने अपने साथियों से कहा, ''फुटबॉल को अलविदा कहने का समय आ गया है लेकिन आपको नहीं।'' इब्राहिमोविच ने मिलान की ओर से 163 मैच में 93 गोल दागे। वह जनवरी 2020 में दूसरी बार टीम के साथ जुड़े और पिछले साल टीम के साथ अपना दूसरा सिरी ए खिताब जीता। पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद वह चोटों से जूझते रहे और मौजूदा सत्र में टीम की ओर से सिर्फ चार मैच खेल पाए। मिलान के अलावा इब्राहिमोविच पेरिस सेंट जर्मेन, इंटर मिलान, बार्सीलोना, यूवेंटस और अजैक्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय क्लब माल्मो के साथ की थी। इब्राहिमोविच ने स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे।

नोवाक जोकोविच ने तोड़ा राफेल नडाल का रिकॉर्ड, 17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में पाई सफलता

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में सर्बियाई खिलाड़ी और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 17वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की है। नोवाक जोकोविच ने पेरू के जुआन पाब्लो वरिलास को मात देकर ये उपलब्धि हासिल की है।

इस जीत के साथ ही नोवाक जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड तोड़ दिया। कूल्हे की चोट के कारण नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे है लेकिन फ्रेंच ओपन के अपने 16 क्वार्टर फाइनल अभियान में से वह 14 को खिताब में बदलने में सफल रहे है। रोलां गैरां के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कोई पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने लगभग दो घंटे तक चले एकतरफा मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। इस दौरान सर्बिया के 36 साल के खिलाड़ी ने 35 विनर लगाये जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 15 विनर लगे। जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 55वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे है और इस मामले में वह सिर्फ महान खिलाड़ी रोजर फेडरर (58 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल) से पीछे है। तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के सामने 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मुकाबलों में खाचानोव एक जीत दर्ज करने में सफल रहे है। खाचानोव ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में लोरेंजो सोनेगो 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में दो गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा और करोलिना मुचोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने सामने होंगी। फ्रेंच ओपन 2021 की उपविजेता पाव्लुचेंकोवा ने 28वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। मुचोवा ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराया।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स में भारत की हीना व भरतप्रीत को स्वर्ण मिला

येचियोन ।भारत ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक सहित कुल तीन पदक जीते हैं।भारत की रेजोआना हीना मलिक और भरतप्रीत सिंह ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ और पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हीना ने 53.31 सेकेंड में दौड़ पूरी की। ये उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.22 सेकेंड के समय से कुछ ही अधिक था।इससे पहले उन्होंने अप्रैल में ताशकंद में हुई एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। वहीं भरतप्रीत ने टूर्नामेंट के शुरुआती दिन 55.66 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर भारतीय टीम को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इसके अलावा भारत की ही अंतिमा पाल ने 5,000 मीटर रेस 17 मिनट और 17.11 सेकेंड में पूरी कर एक कांस्य पदक जीता।

रेल हादसे में माता-पिता को खोने वाले बच्चों को पढाएंगे सहवाग

adani
Sportsline
GUJARAT GIANTS
VIRENDER SEHWAG (GUJARAT GIANTS)

नई दिल्ली ।टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ओडिशा में हुए रेल हादसे पर दुख जताते हुए कहा है कि इसमें माता-पिता को खोने वाले बच्चों को वह पढ़ाएंगे।इस दुखद रेल हादसे में 275 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।सहवाग ने रेल हादसे की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा, यह तस्वीर हमें लंबे समय तक परेशान करेगी।साथ ही कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूं कि इस भीषण हादसे में जान गंवाने वालों के बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखूं।मैं ऐसे बच्चों को हरियाणा स्थित सहवाग स्कूल की बोर्डिंग फैसिलिटी में मुफ्त शिक्षा देने तैयार हूं।सभी परिवारों के लिए प्रार्थना और उन सभी बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए तालियों जो बचाव कार्यों में सबसे आगे रहे हैं, मेडिकल टीम और स्वयंसेवक जो स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं।हम इसमें उनके साथ हैं।इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग सहवाग की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

बजरंग, विनेश और साक्षी नौकरियों पर वापस लौटे पर कहा न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा

-नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की बातें फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मालिक अपनी-अपनी नौकरियों पर लौट गये है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद ये पहलवान अपने काम पर वापस आये हैं हालांकि इनका कहना है कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका आंदोलन न्याय मिलने तक जारी रहेगा। साक्षी और बजरंग भारतीय रेलवे में ओएसडी के पद पर फिर से नियुक्त हुए।

वहीं साक्षी ने अपने एक ट्वीट में कहा कि आंदोलन समाप्त होने की खबरें गलत हैं। न्याय की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा। सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी ज़िम्मेदारी को साथ निभा रही हूँ। इंसाफ़ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। साक्षी ने कहा, हमने गृह मंत्री से मुलाकात की, यह एक सामान्य बातचीत थी। हमारी केवल एक ही मांग ब्रजभूषण की गिरफ्तार है। मैं विरोध से पीछे नहीं हटी हू, रेलवे में ओएसडी के रूप में मैंने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता तब तक हम विरोध करते रहेंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे। साथ ही कहा कि नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की खबरें गलत हैं।

वहीं पहलवान बजरंग ने भी आंदोलन वापस लेने की खबरों को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये खबरें हमें नुक़सान पहुँचाने के लिए फैलाई जा रही हैं पर हम न पीछे हटे हैं और न ही हमने आंदोलन वापस लिया है। महिला पहलवानों की एफ़आईआर उठाने की खबर भी गलत है। अब इंसाफ़ मिलने तक सत्याग्रह के साथ लड़ाई जारी रहेगी। पहलवान 23 अप्रैल से ही ब्रजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। नई संसद के उदघाटन के दिन पहलवान जब संसद की ओर बढ़ रहे थे तो उन्हें हिरासत में लेकर दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर खाली करा दिया था। उसके बाद पहलवान अपने मेडल गंगा में बहाने गये थे पर किसान नेताओं ने उन्हें रोक लिया था।

वहीं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए अंदेशा जताया कि भाजपा सांसद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि

एक 'कमजोर' आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा और ब्रजभूषण को जमानत मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों की पैरवी कर रहे सिब्बल का यह बयान तब आया जब पता चला कि महिला पहलवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार देर शाम गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

उरूग्वे और दक्षिण कोरिया अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ब्यूनर्स आयर्स ।उरूग्वे और दक्षिण कोरिया की टीमें अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।वहीं अमेरिका और नाइजीरिया की टीमें हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। उरूग्वे और दक्षिण कोरिया ने रविवार को यहां अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।उरूग्वे ने अमेरिका के खिलाफ मैच में 2-0 से जीत दर्ज की।उरूग्वे की ओर 21वें मिनट में एंडरसन दुराते ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई जबकि 56वें मिनट में जोशुआ विंडर ने आत्मघाती गोल दागकर उरूग्वे की जीत तय कर दी। वहीं दक्षिण कोरिया ने अतिरिक्त समय में किये गोल की सहायता से नाइजीरिया को 1-0 से हराया।दक्षिण कोरिया की ओर से मैच का एकमात्र गोल सियोक ह्युन चोई ने हेडर पर किया।उरूब्वे की टीम अब सेमीफाइनल में गुरुवार को इजराइल से खेलेगी जबकि दक्षिण कोरिया का मुकाबला इटली से होगा।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Tuesday, 06 June 2023

तमिल फिल्म थेरी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे वरुण धवन और अनुष्का शर्मा

दक्षिण के जाने माने निर्देशकों में शुमार हो चुके एटली कुमार इन दिनों शाहरुख खान के साथ अपनी फिल्म जवान को पूरा करने में लगे हैं। यह फिल्म पहले आज के दिन अर्थात् 2 जून को प्रदर्शित होने वाली थी लेकिन अब यह 7 सितम्बर को प्रदर्शित होगी। इस फिल्म बाद एटली कुमार एक और हिन्दी फिल्म बनाने जा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने वरुण धवन और अनुष्का शर्मा के साथ हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि यह वर्ष 2016 में आई एटली कुमार के निर्देशन में बनी थेरी का हिन्दी रीमेक है, जिसमें थलापति विजय के साथ सामंथा रुथ प्रभु नजर आई थी। थेरी अपने समय की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी जिसमें नायक पर खलनायक भारी रहा था। कहा जा रहा है कि एटली कुमार ने अपनी इस फिल्म के हिन्दी रीमेक में उत्तर भाषी दर्शकों के लिहाज से काफी बदलाव किया है। वरुण धवन और अनुष्का शर्मा को साल 2018 में फिल्म सुई धागा में देखा गया था। यह इन स्टार्स की पहली फिल्म थी जिसमें दोनों की जोड़ी को खूब पसंद फिल्म साबित हुई थी। एटली कुमार के निर्देशन में बनने वाली अनाम हिन्दी रीमेक एक्शन से भरपूर होगी। फिल्म में दो नायिकाएँ होंगी, जिसमें से सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निभाई गई भूमिका अनुष्का शर्मा निभाती नजर आएंगी। मेकर्स दूसरी एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि एटली कुमार की इस फिल्म के लिए अनुष्का शर्मा से पहले जाह्नवी कपूर को अप्रोच किया गया था लेकिन डेट ना होने के चलते वह फिल्म को नहीं कर पाई। इसके बाद अनुष्का शर्मा को फिल्म के लिए अप्रोच किया गया तो उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आई और उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दिया। अभी फिल्म के और मुख्य किरदारों के लिए चयन किया जाना बाकी है। वरुण धवन पिछली बार फिल्म भेड़िया में नजर आए थे। अब वरुण धवन फिल्म बवाल में काम करते दिखाई देंगे। वहीं, अनुष्का शर्मा पिछली बार फिल्म जीरो में नजर आई थीं। अब अनुष्का शर्मा फिल्म चकदा एक्सप्रेस में काम करती दिखाई देंगी।

कलाकार ही कलाकार की कद्र जानता है

एक कलाकार से बेहतर कला की कीमत को भला कौन समझ सकता है? हाल ही में अभिनेता गुलशन देवैया बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में पहुंचे तो उन्हें वहां सम्मानित करने के साथ साथ उनके हिट किरदारों के कैरिकेचर का एक सेट भी भेंट किया गया। इन तस्वीरों में कलाकार की कलाकारी देखकर गुलशन भावुक हो गए और बोले बिना कलाकार की कला के सही आर्थिक सम्मान के वह इस तोहफे को स्वीकार करेंगे। गुलशन देवैया की इस दिलदारी पर वहां मौजूद लोगों ने दिल खोलकर तालियां बजाईं। कैरिकेचर कलाकार प्रसाद भट गुलशन देवैया के बहुत बड़े प्रशंशक हैं। उन्होंने गुलशन देवैया की फिल्मों और सीरीज कमांडो 3, दहाड़, गोलियां की रासलीला रामलीला, मर्द को दर्द नहीं होता, घोस्ट स्टोरीज, दुरंगा, बधाई दो, हंटर, डेथ इन द गंज और दैट गर्ल इन येलो बूट्स के किरदारों के कैरीकेचर बनाए हैं। प्रसाद भट बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे और गुलशन देवैया को उनके किरदारों की ये तस्वीरें भेंट की तो अभिनेता ने उन तस्वीरों को लेने से मना कर दिया। अभिनेता गुलशन देवैया उन तस्वीरों को देखकर बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कैरिकेचर कलाकार प्रसाद भट की खूब प्रशंसा भी की। लेकिन जैसे ही प्रसाद भट ने उन तस्वीरों को गुलशन देवैया को भेंट करनी चाहा तो अभिनेता ने उन तस्वीरों को मुफ्त में लेने से मना कर दिया। उन्होंने प्रसाद भट के सामने शर्त रखी कि अगर उन तस्वीरों की वह कीमत लेंगे तभी उसने तस्वीर लेंगे। प्रसाद भट पहले तो उन तस्वीरों की कीमत लेने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन गुलशन देवैया के विशेष आग्रह करने पर उनसे पैसे लिए। अभिनेता गुलशन देवैया का मानना है कि एक कलाकार को उसकी कला की कीमत मिलना चाहिए। वह कहते हैं, प्रसाद भट ने मेरे सम्मान में जो मेरी तस्वीरें बनाई है इसके लिए उनका मैं बहुत आभारी हूं और खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। लेकिन अगर मुझे सच में कुछ पसंद है तो मैं उसकी कीमत चुकाने को तैयार हूं। यह उनकी आजीविका भी है और मशीन लर्निंग और एआई के इस युग में, कम से कम मैं कलाकारों को उनकी दरों का भुगतान करने की पेशकश करके उनका समर्थन कर सकता हूं।

अब गुजराती फिल्में करना चाहते हैं नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म जोगीरा सारा रा रा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में कई फिल्मों में दमदार अदाकारी से फैंस का दिल जीता है। वहीं, अब हाल ही में दिए इंटरव्यू में अभिनेता ने गुजराती फिल्मों में भी काम करने की इच्छा जताई है। अभिनेता ने गुजराती फिल्में करने के कारण का भी खुलासा किया है। दरअसल, हाल ही में अभिनेता ने गुजरात के वड़ोदरा का दौरा किया, जिसके बाद वह शहर की पुरानी यादों में खो गए। हाल ही में दिए इंटरव्यू में अभिनेता ने बताया कि वड़ोदरा से उनके कई पुरानी और भावुक यादें जुड़ी हुई हैं। 30 साल बाद वड़ोदरा लौटने के बाद उनकी वे खूबसूरत यादें ताजा हो गईं। उन्हें गुजरात से प्यार है और उनके पास कुछ बहुत अच्छे गुजराती दोस्त भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर, उन्हें कुछ रोमांचक पेशकश की जाती है तो वह एक गुजराती फिल्म करने पर विचार करेंगे। वड़ोदरा से ही नवाजुद्दीन की जिंदगी में नया मोड़ आया। अभिनेता ने बताया कि वड़ोदरा में मेरा प्रवास मेरे करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। मैं पहले साइंस का स्टूडेंट था, लेकिन यहां आकर मैं परफॉर्मिंग आर्ट्स में शिफ्ट हुआ था। मैंने पहली बार वड़ोदरा में एक नाटक देखा और उसके बाद मैंने यहां कुछ नाटक किए, जिनमें गुजराती नाटक भी शामिल थे। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में शामिल होने से बहुत पहले मैंने एमएसयू (महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा) में परफॉर्मिंग आर्ट्स में पढ़ाई की थी तो थिएटर का सिलसिला यही से ही शुरू हुआ था। फिल्म निर्माता और अभिनेताओं के बीच अच्छे रिश्ते कैसे हो सकते हैं, इस पर बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा कि यदि आप किसी अभिनेता से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्राप्त करना चाहते हैं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप हमें सम्मान दें और थोड़ा प्यार भी करें। अभिनेता एक बच्चे की तरह होता है, आप अगर झूठी तरफ भी कर देंगे तो वह उसे सच मान के और अच्छी परफॉर्मेंस देगा। अभिनेता ने इस बात का भी खुलासा किया कि वह कोई ड्रीम रोले नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा मैं ड्रीम रोल करने में विश्वास नहीं करता, क्योंकि यह एक अभिनेता के लिए एक सीमित कारक बन सकता है। अगर, आप किसी खास तरह के किरदार को निभाने के बारे में सपने देखने लगते हैं, लेकिन आपको कोई और भूमिका मिलती है तो आपको हर जगह वही किरदार नजर आएगा, जो गलत है।

शोभिता धुलिपाला ने बताया क्यों छोड़ी मॉडलिंग?

पोन्नियन सेल्वन 2 में नजर आईं एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला हाल ही में एक मीडिया कॉन्क्लेव का हिस्सा बनीं। इस कॉन्क्लेव में एक्ट्रेस ने मॉडलिंग से लेकर एक्टिंग करियर तक के बारे में बात की और कई बड़े खुलासे किए। इतना ही नहीं शोभिता ने नेपोटिज्म पर भी चुप्पी तोड़ी और अपने विशेषाधिकारों के बारे में बताया। शोभिता धुलिपाला ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग के साथ की थी। इसी पर एक्ट्रेस से पूछा गया कि उन्होंने एक्टिंग के लिए मॉडलिंग क्यों छोड़ी तो शोभिता ने कहा, मिस इंडिया मेरे कॉलेज के अंत में हुआ था। मैंने तुरंत ग्रेजुएशन कम्पलीट की थी और मास्टर्स में दाखिला लिया था। मैं बस शांत रहना चाहती थी, और मैं सफल हो गई। मुझे नहीं पता था कि उसके बाद कोई क्या करता है। मैंने हमेशा सोचा कि फैशन बहुत अच्छा है, मैंने इसे हमेशा पत्रिकाओं में या टेलीविजन पर देखा। मैं मॉडलों को देखती थी और बस चकित हो जाती थी। शोभिता ने आगे कहा, मैं इससे जुड़ना चाहती थी। हालांकि, जब मैंने मॉडलिंग शुरू की, तो मुझे कोई तृप्ति नहीं मिली जो मुझे मिल सकती थी। मैं एक स्पष्टता पर पहुंची कि मैं खुद को अभिव्यक्त करने में सक्षम होना चाहती हूं। रचनात्मक रूप से और मैंने विज्ञापनों के लिए ऑडिशन देना शुरू किया और उसके माध्यम से मैंने फिल्मों के लिए ऑडिशन दिया, फिर मेरा चुनाव हुआ और मैं आज यहां हूं। शोभिता ने विशेषाधिकारों और नेपोटिज्म के बारे में बात करते हुए कहा, मैं वास्तव में विशेषाधिकार से नहीं आती, जितना मैं पहचानती हूं। मेरे माता–पिता स्वस्थ हैं, मैं शिक्षित हूं, मैं कुछ भाषाएं बोलती हूं और मैं अपनी देखभाल करने में सक्षम हूं। यह अपने आप में एक बड़ा विशेषाधिकार है। इसे स्वीकार करने में सक्षम होना अच्छा है। जब मेरे करियर की बात आती है तो मैं कोई विशेष विशेषाधिकार नहीं लाती। शोभिता ने अपनी बात में आगे जोड़ा, यह एक रोलर–कोस्टर की सवारी रही है। मैं अपने दम पर चीजों का पता लगा रही हूं। इसलिए उन चीजों की सराहना करना महत्वपूर्ण है जो सही हुई हैं। अक्सर, हम पीछे मुड़कर देखते हैं और महसूस करते हैं कि ऐसा होना चाहिए था, या मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। शोभिता धुलिपाला ने फेमिना मिस इंडिया 2013 पेजेंट में फेमिना मिस इंडिया अर्थ 2013 का खिताब जीता और मिस अर्थ 2013 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

टीवी इंडस्ट्री पर पहले दिए विवादित बयान से पलटीं राधिका मदान

अभिनेत्री राधिका मदान इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कच्चे लिंबू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अंग्रेजी मीडियम और कच्चे लिंबू जैसी फिल्मों से खास पहचान बनाई है। फिल्मी दुनिया में आने से पहले अभिनेत्री ने टीवी वर्ल्ड में काम किया था। बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने टीवी सेट पर कभी न खत्म होने वाले घंटों के बारे में बात की थी और एकता कपूर सहित कई लोगों ने उनकी टिप्पणियों की आलोचना की थी। अब अभिनेत्री ने अपने बयान से पलटी मारते हुए कहा कि उन्होंने सबकुछ टीवी से ही सीखा है। दरअसल, राधिका मदान ने एक बार कहा था कि टीवी काम करने के लिए अच्छी जगह नहीं है। यह माध्यम आपको रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए कोई जगह नहीं देता है और आप कभी–कभी व्यक्तिगत जीवन के किसी भी दायरे के बिना 48 घंटे तक काम करते हैं। अभिनेत्री के इस बयान के बाद उनकी आलोचना की गई और टीवी इंडस्ट्री की छवि को खराब बताने पर उन्हें कई सेलेब्स ने ट्रोल भी किया था। साथ ही एकता कपूर ने भी आरोप लगाया कि यह सब कहना उनके लिए सही नहीं था, क्योंकि टीवी ने उन्हें इतनी प्रसिद्धि दिलाई। हालांकि, राधिका ने अपने बयान पर पूरी तरह से यू–टर्न लिया। अभिनेत्री ने कहा मैंने सब कुछ टेलीविजन से सीखा है। जो आप टीवी पर सीख सकते हैं, वह आप कहीं और नहीं सीख सकते।

तमन्ना स्टारर जी करदा 15 जून को ओटीटी पर होगी रिलीज

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की अपकमिंग कंटेम्परेरी रोमांस ड्रामा सीरीज जी करदा 15 जून से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जी करदा, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी, बचपन के सात दोस्तों की एक दिलचस्प कहानी है, जिन्होंने सोचा था कि जब वे 30 साल के होंगे, तब उनकी जिंदगी बेहद आसान और सपनों–सी सुंदर होगी। हालांकि, 30 साल के होने पर उन्हें एहसास होता है कि उनकी जिंदगी तो परेशानियों से भरी है। वे साथ रहते हैं, प्यार करते हैं, हंसते हैं, गलतियां करते हैं, उनका दिल टूटता है, और वे थोड़े बड़े हो जाते हैं, लेकिन इस सब के बीच उन्हें लगता है कि गहरी दोस्ती और गहरे नाते भी अधूरे होते हैं और जिंदगी अबूझ पहेली की तरह है। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित जी करदा अरुणिमा शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित है और हुसैन दलाल और अब्बास दलाल द्वारा सह–लिखित है। आठ एपिसोडिक शो में आशिम गुलाटी, सुहैल नय्यर, अन्या सिंह, हुसैन दलाल, सायन बनर्जी, संवेदना सुवालका, सिमोन सिंह और मल्हार ठाकर भी हैं।

खुद को डांसर तक सीमित नहीं रखना चाहतीं नोरा

नोरा फतेही ने हाल ही में बताया है कि उन्हें अक्सर उन फिल्मों के गानों में डांस करने का ऑफर दिया जाता है जिन फिल्मों की स्क्रिप्ट स्ट्रॉन्ग नहीं होती। बीबीसी एशियन नेटवर्क से बात करते हुए उन्होंने बताया कि उन्हें प्रोड्यूसर्स कॉल करते हैं और फिल्म में किसी स्पेशल गाने पर डांस करने का ऑफर देते हैं ताकि फिल्म बॉक्स–ऑफिस पर किसी तरह परफॉर्म कर सके। नोरा ने बताया कि वो सिर्फ कुछ चुनिंदा फिल्मों के गानों पर डांस करने का ऑफर ही एक्सेप्ट करती हैं ताकि उन्हें इंडस्ट्री में एक ही तरह का काम करने के लिए टाइपकास्ट न कर दिया जाए। नोरा ने बताया कि वो इंडस्ट्री में अपनी पहचान सिर्फ एक डांसर होने तक सीमित नहीं रखना चाहती। इंटरव्यू में उन्होंने कहा– कभी–कभी मैं वर्कप्लेस पर थोड़ा परेशान हो जाती हूं। शायद कुछ लोगों को मेरे साथ काम करना मुश्किल भी लगता होगा लेकिन ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है। मैं जब स्टेज पर या कैमरे के सामने जाती हूं तो मेरे मन में यही चल रहा होता है कि मुझे अपना बेस्ट देना है। इंटरव्यू में जब नोरा से ये पूछा गया कि प्रोड्यूसर्स उन्हें फिल्म में डांस करने के लिए एप्रोच करते हैं, तो उन्हें कैसा महसूस होता है ? इसके जवाब में नोरा ने हंसते हुए कहा– मुझे नहीं पता की क्या सभी लोगों को मेरी जरूरत है भी या नही। लेकिन, हां ये सुनकर मुझे अच्छा जरूर महसूस होता है। मुझे ऐसा लगता है कि हां मेरी कोई जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा– अगर मैं किसी काम के लिए हां कर देती हूं तो फिर मैं उसमें अपना 100% देती हूं। मैं उस काम पर अपना 100% लगा देती हूं, घंटों रिहर्सल करती हूं। मैं कॉस्टयूम से लेकर मेकअप तक हर चीज की डिटेल पर फोकस करती हूं। इसलिए मैं जल्दी से किसी को भी डांस के लिए हां नहीं करती क्योंकि ऐसा नहीं है कि मैं आउंगी, 2–3 स्टेप्स करूंगी और काम खत्म हो जाएगा और मैं चली जाउंगी। उन्होंने आगे कहा– अगर एक साल में मुझे फिल्मी गानों में डांस करने के 10 ऑफर मिलते हैं तो मैं इनमें से सिर्फ एक या दो ऑफर्स के लिए ही हां करती हूं। मैं एक–साथ बहुत सारे गानों के लिए भी हां नहीं करती क्योंकि ऐसे में ऑडियंस जल्दी बोर हो सकती है।